असली आजादी दैनिक अब
मोबाइल आधारित वेबसाइट से आसानी से पढे

दमण से प्रकाशित असली आजादी दैनिक ने अपने हजारों पाठकों के लिए मोबाइल आधारित वेबसाइट www.asliazadi.com शुरु कर दी है। इस वेबसाइट को पूरी तरह मोबाइल आधारित तैयार किया है। जिसके चलते अब कोई भी पाठक अपने मोबाइल से सीधे असली आजादी दैनिक की वेबसाइट www.asliazadi.com पर जाकर न्यूज एवं ई-पेपर डाउनलोड कर पढ सकते है।

प्रबंधन

दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik

www.asliazadi.com

असली आज़ादी

SINCE 2005

■ वर्ष: 19, अंक: 303 ■ दमण, बुधवार 04 सितंबर 2024, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

सुप्रीम कोर्ट की निचली अदालतों को हिदायत... पीठ के फैसलों के खिलाफ काम ना करे

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त हिदायत दी कि निचली अदालतों के लिए मुकदमों की जल्दी सुनवाई के लिए हाई कोर्ट समय सीमा तय कर रहे हैं और सिर्फ इस आधार पर जमानत देने से इंकार सही नहीं है। अदालत ने कहा कि यह शीर्ष अदालत के फैसले के खिलाफ है, क्योंकि इस तरह की समयावधि निर्धारित करना असाधारण मामलों में ही तय किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट द्वारा मुकदमों के जल्दी निपटान और जल्द सुनवाई के लिए जमानत देने से इंकार शीर्ष अदालत की संविधान पीठ के फैसलों के खिलाफ है। रिपोर्ट मुताबिक, पीठ ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ की घोषणा के बावजूद, हमने देखा है कि कई उच्च न्यायालय जमानत खारिज करते समय मुकदमों की जल्दी सुनवाई तय करे हैं। ऐसा नहीं हो सकता और सिर्फ इस आधार पर जमानत से इंकार करे कि मुकदमे का निपटारा शीघ्रता से होगा। मुकदमे की सुनवाई की सीमा का ऐसा निर्धारण केवल बहुत ही असाधारण मामलों में किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि फरवरी में न्यायमूर्ति ओका की अध्यक्षता में संविधान पीठ के फैसले में कहा गया था कि अदालतों को किसी अन्य अदालत में लंबित मामलों के लिए समयबद्ध कार्यक्रम निर्धारित करने से बचना चाहिए।

भारतीय तटरक्षक बल के हेलीकॉप्टर की समुद्र में आपात लैंडिंग, तीन सदस्य लापता

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) हेलीकॉप्टर को सोमवार रात को पोरबंदर तट के पास अरब सागर में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, जिसमें चार चालक दल के सदस्य सवार थे। चालक दल के एक सदस्य को बचा लिया गया है और तीन सदस्यों की तलाश जारी है। तटरक्षक बल ने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब हेलीकॉप्टर लैंडिंग के लिए जहाज के पास जा रहा था। सदस्यों की तलाशी के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है, जिसमें मदद के लिए चार जहाज और दो विमान तैनात किए गए हैं। विमान का मलबा बरामद कर लिया गया है। तटरक्षक बल ने एक बयान जारी कर कहा कि गुजरात में हाल ही में आए चक्रवाती तूफान से लोगों की जान बचाने वाले भारतीय तटरक्षक बल के एएलएच को पोरबंदर से करीब 45 किलोमीटर दूर भारतीय ध्वज वाले मोटर टैंकर हरि लीला पर सवार गंभीर रूप से घायल चालक दल के सदस्यों को मेडिकल सहायता के लिए सोमवार को देर रात रवाना किया गया था। उक्त अभियान के दौरान आईसीजी एएलएच हेलीकॉप्टर को समुद्र में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, जिसमें चार चालक दल के सदस्य सवार थे। चालक दल के एक सदस्य को बचा लिया गया है और तीन चालक दल के सदस्यों की तलाश जारी है। विमान का मलबा मिल गया है। सोमवार रात राजस्थान के बाड़मेर में उत्तरलाई वायुसेना एयरबेस क्षेत्र के पास वायुसेना का मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। लड़ाकू विमान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें मिग-29 आग में जलता दिख रहा है। यह घटना आलणियो की ढाणी स्थित मंगला प्रोसेसिंग टर्मिनल एमपीटी रोड के पास हुई। दुर्घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। जानकारी के मुताबिक पायलट सुरक्षित है। पुलिस ने बताया कि विमान रात बाड़मेर में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। यह घटना आबादी वाले इलाके से दूर हुई। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मिग-29 ने लैंडिंग जोन से उड़ान भरी थी, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सौभाग्य से पायलट सुरक्षित निकल गया, लेकिन विमान पूरी तरह नष्ट हो गया। इस घटना के बाद कोर्ट ऑफ इंक्वयरी के आदेश दिए गए हैं।

ब्रिटेन के दौरे में दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने ब्रिटिश पार्लियामेंट की ली मुलाकात : माछी समाज के गुरु और अग्रणी रहे साथ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, लंदन 03 सितंबर। अपने ब्रिटेन के दौरे में आज दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने ब्रिटिश पार्लियामेंट की मुलाकात ली। इस अवसर पर उनका स्वागत किया गया। इस दौरे में उनके साथ माछी समाज के कुल गुरु गोपालदास जी महाराज एवं माछी समाज के अग्रणी युवा उपस्थित रहे।

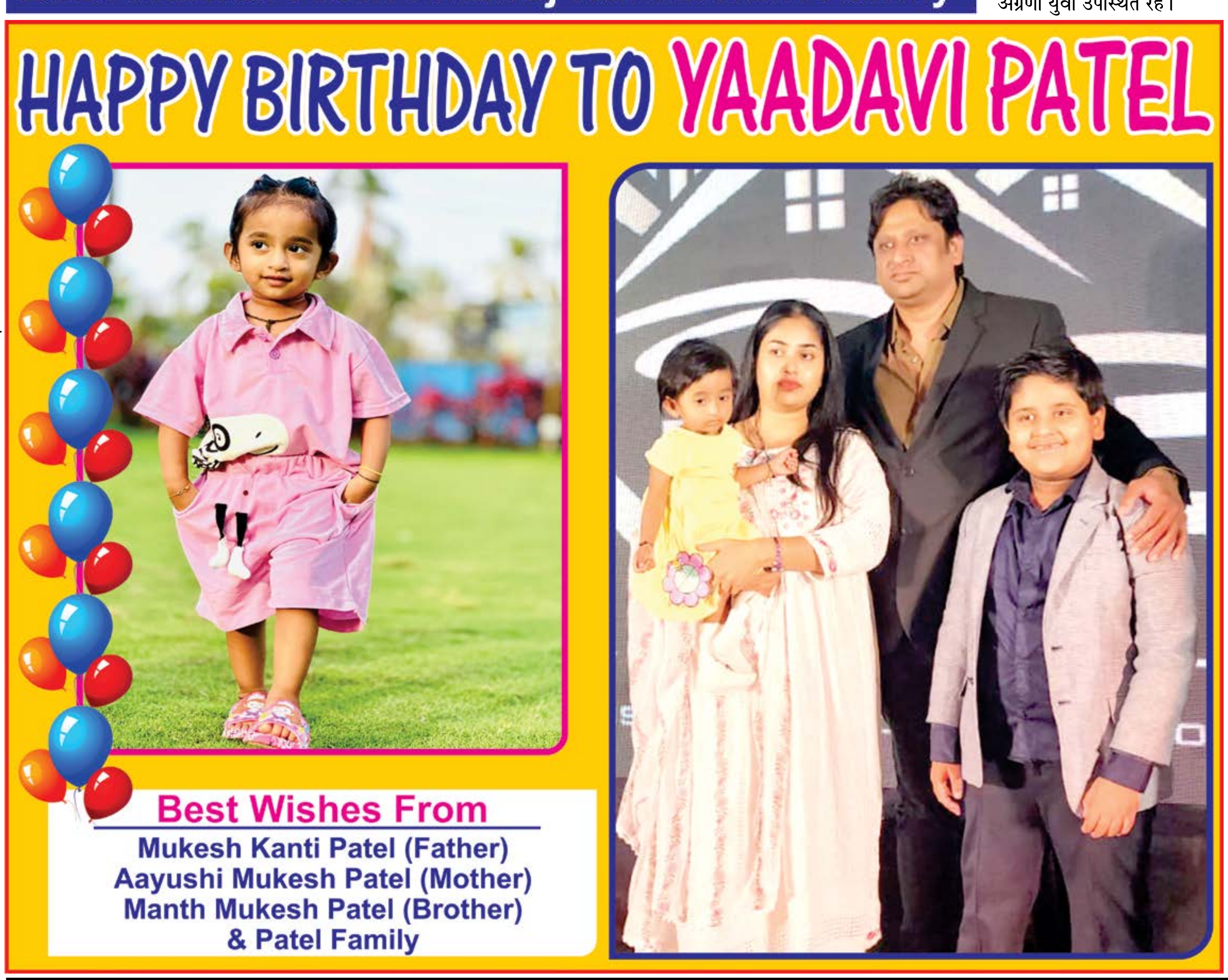

हिमाचल में वित्तीय संकट... वेतन और पेंशन नहीं मिला कर्मचारियों को

शिमला । भले ही हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के गहराते वित्तीय संकट के बारे में चिंताओं को दूर करने की कोशिश की हो, लेकिन सेवारत और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों की वेतन और पेंशन में देरी ने इस आंशका को सच साबित कर दिया। जब सोमवार को उनके बैंक खातों में कोई भुगतान नहीं किया गया। आम तौर पर वेतन और पेंशन हर माह की पहली तारीख को उनके बैंक खातों में जमा कर दी जाती है। हालाँकि, रविवार होने के कारण वेतन सोमवार को वितरित किया जाना चाहिए था, जो नहीं हुआ, जिससे दो लाख से अधिक नियमित कर्मचारी काफी चिंतित हैं। अभी भी कोई आधिकारिक बयान नहीं है, कि वेतन कब वितरित होगा, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के साथ-साथ नौकरशाही के बीच भी चिंता है कि गंभीर वित्तीय संकट के बीच स्थिति से कैसे निपटा जाए। हालांकि पिछले शासनकाल में इसतरह के उदाहरण आए हैं जब राजकोष घाटे में चला गया, लेकिन वेतन और पेंशन में कभी देरी नहीं हुई। हालाँकि, इस बार देरी एक दिनचर्या बन सकती है क्योंकि अधिक ऋण जुटाने का कोई प्रावधान नहीं है और राज्य पूरी तरह से केंद्र पर निर्भर है। विडंबना यह है कि एचपी राज्य विद्युत बोर्ड के कर्मचारी और पेंशनभोगी, जिन्हें अतीत में हमेशा देरी से वेतन मिलता था, भुगतान प्राप्त करने वाले एकमात्र व्यक्ति थे। सीएम सुक्खू ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया है, जिसका दोष उन्होंने उनके द्वारा शुरू की गई मुफ्त की संस्कृति को दिया है। राज्य विधानसभा में सुक्खू कहना चाहते थे कि इन सभी मुफ्त सुविधाओं ने उस वित्तीय संकट में प्रमुख भूमिका निभाई है जिसका राज्य वर्तमान में सामना कर रहा है। लेकिन उन्होंने सदन के सदस्यों से कहा कि राज्य के खजाने की स्थिति जल्द ही बेहतरी के लिए बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि वह हिमाचल प्रदेश को 2027 तक आर्थिक रूप से स्वतंत्र राज्य और 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाना चाहते हैं। कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने पर सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने कहा कि हर बार पेंशनभोगियों और कर्मचारियों को हर महीने की 1 तारीख तक वेतन मिल जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा मैं पहली बार देख रहा हूं जब 3 सितंबर है और कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है।

महिला अपराध पर बोलने से ज्यादा बेहतर... कुछ करना : अनन्या

मुंबई । अभिनेत्री अनन्या पांडे बॉलीवुड की एक जानमान चेहरा हैं, वे अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। अब हाल ही में अनन्या ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों तथा सिनेमा जगत में उनके साथ होने वाले बर्ताव पर खुलकर बात की। अनन्या का कहना है कि महिलाओं को बुरे वक्त का सामना हमेशा ही करना पड़ा है, लेकिन आज स्थिति बदली है। वे अब इन मुद्दों पर मुखरता से अपनी बात रखती हैं। महिलाओं के साथ होने वाले अपराध और बुरे बर्ताव पर अनन्या ने कहा कि जागरूकता बढ़ाना जरूरी है लेकिन समाज में वास्तविक बदलाव लाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। अनन्या ने कहा, महिलाओं ने हमेशा बुरे वक्त का सामना किया है, अब हम इसके बारे में काफी कुछ बोल रहे हैं। इसके बारे में बात करना एक बात है लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है, इस लेकर कुछ करना। उन्होंने कहा, एक महिला और एक कलाकार के तौर पर हम अपने आस-पास के पुरुषों को यह बताकर अपना योगदान दे रहे हैं कि वे इन परिस्थितियों का कैसे बेहतर बना सकते हैं और साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवाज उठा रहे हैं। अनन्या ने कहा कि खासतौर पर कानून के जरिये व्यवस्थागत बदलाव की जरूरत है। सबसे महत्वपूर्ण कदम कानून में बदलाव लाना है और सरकार इसमें कई बदलाव कर रही है।

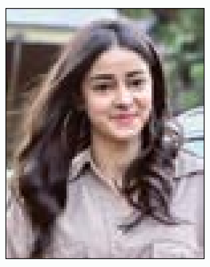

मालेगांव में गाउन के बाद अंडरवियर गिरोह की धमक घर और कॉलेज में चोरी

-पांच लाख का सोना और कॉलेज परिसर से केले चुराकर ले गए

मुंबई । महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में बीती देर रात कच्छा-बनियान गिरोह बनकर अज्ञात चोरों ने एक घर और कॉलेज से लाखों का माल लूट कर ले गए। पीड़ितों का आरोप है कि एक घर से चोर पांच लाख का सोना और कॉलेज परिसर से केले चुराकर ले गए। चोरों की यह करतूत सीसीटीवी में कैद हुई है। फुटेज में चोर अंडरवियर और बनियान पहने हुए हैं। पिछले हफ्ते मालेगांव में इसी तरह की एक अन्य घटना में चोर गाउन पहनकर रिहायशी इलाकों में घुसे थे और एक मंदिर के दानपात्र से पैसे चुराकर भाग गए। मालेगांव में अंडरवियर गिरोह की धमक गाउन गिरोह द्वारा अंजाम दी गई चोरी के कुछ समय बाद ही हुई है। उस गिरोह को महिलाओं के वेश में देखा गया। ज्यादातर गाउन पहने हुए कैमरे में कैद हुए थे। इन चोरों ने पिछले सप्ताह मालेगांव के रिहायशी इलाकों में कई घरों को निशाना बनाया। चोरों ने एक मंदिर के दानपात्र से भी पैसे चुराए। बता दें कि चड्डी बनियान गिरोह पहले भी देश के कई हिस्सों में चोरी और हमले की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। ये चोर अक्सर बनियान और अंडरवियर पहनकर अपराध को अंजाम देते हैं। कई बार लोगों को डराने के लिए इनके पास धारदार हथियार भी होते हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है, कि मालेगांव में इस तरह से चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अपराधी वाकई इस गिरोह से हैं, या लोगों को भ्रमित और डराने के के लिए इस तरह का वेश धरा है।

भेड़िये के बाद अब सियारों की एंट्री... मां के साथ सो रही नवजात बच्ची ले भागे

-रोने की आवाज सुनकर परिजन पहुंचे तो नोच रहा था उसका शरीर

सुलतानपुर। यूपी के बहराइच में आदमखोर भेड़ियों ने आतंक मचा रखा है। भेड़िये मासूम बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को अपना शिकार बना रहे है। इसी बीच सुलतानपुर से भी ऐसा ही एक मामला सामने आया है। यहां पर एक सियार ने आतंक मचा रखा है। सियार बीती रात करीब चारपाई पर अपनी मां के साथ सो रही नवजात बच्ची को उठा ले गया। करीब 60 मीटर दूर ले जाकर बच्ची को नोचना शुरू किया तो बच्ची रोने लगी। आवाज सुनकर माता-पिता वहां पहुंचे तो सियार भाग गया। सियार के हमले से बच्ची की मौत हो गई। यह मामला मोतिगरपुर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत दियरा के कोड़रिया पुरवे का है। गांव निवासी मोनू अपनी पत्नी बच्चों के साथ सोए हुए थे। पत्नी मुस्कान अपनी नवजात बेटी काजल (2 माह) व अन्य बच्चों के साथ चारपाई पर सो रही थी जबकि पिता मोनू बेटे सुल्तान के साथ दूसरी चारपाई पर लेटा था। उन्होंने बताया कि रात करीब एक बजे बेटी के रोने की आवाज सुनकर जागे तो नवजात काजल चारपाई पर नहीं थी। बच्ची के रोने की आवाज घर के पास खेतों में से आ रही थी। जब वह वहां पहुंचे तो सियार बच्ची को नोच रहा था, उन्हें देखकर भाग गया। सियार के हमले से नवजात के सिर के ऊपरी हिस्से में गहरा घाव हो गया है। परिजन उसे अस्पताल ले गए जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी ग्राम प्रधान ने पुलिस को दी। वहीं, 10 दिन पहले पास के एक गांव खैरहा निवासी बुजुर्ग बंशीधर चौबे को भी सियार ने चेहरे पर काट लिया था। सियार के हमले से अब इलाके में दहशत का माहौल है।

राष्ट्रपति मुर्मू कल करेंगी उदगीर बुद्ध विहार का उद्धाटन, आनंद मेले में लेंगी भाग

लातूर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू महाराष्ट्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। वह बुधवार को लातूर जाएंगी। यहां राष्ट्रपति उदगीर बुद्ध विहार का उद्धाटन करेंगी और फिर महिला आनंद मेले समारोह में भाग लेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू अपनी यात्रा के पहले दिन कोल्हापुर के वरणानगर में श्री वरणा महिला सहकारी समूह के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुईं थी। आज यानी मंगलवार को वह पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगी। इसके साथ ही वह मुंबई में महाराष्ट्र विधान परिषद के शताब्दी समारोह में भी शामिल होंगी। अपनी यात्रा के आखिरी दिन बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू लातूर के उदगीर में बुद्ध विहार का उद्धाटन करेंगी और शासन अव्यान दारी और मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना के लाभार्थियों से भी मुलाकात करेंगी। मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना को महाराष्ट्र राज्य सरकार ने 28 जून, 2024 को लॉन्च किया था। योजना का उद्देश्य राज्य में महिलाओं को वित्तीय मदद और सशक्तिकरण प्रदान करना है।

दुनिया के लिए खतरा, पर भारत के साथ अटूट दोस्ती रखता है उत्तर कोरिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन कई मौकों पर अमेरिका और साउथ कोरिया को धमकाते हुए भी देखे गए हैं। इन देशों ने उत्तर कोरिया की ताकत को दुनिया के लिए खतरा कहा है लेकिन भारत इससे बहुत प्रभावित नहीं दिखता है। भारत के उत्तर कोरिया से दशकों पुराने संबंध हैं, जो आज भी कायम हैं। दोनों देशों के नेता बहुत ज्यादा एक दूसरे देश की यात्राएं करते नहीं दिखते हैं लेकिन भारत दुनिया के इस खतरनाक देश पर अमेरिका की नाराजगी के बावजूद भरोसा करता रहा है। उत्तर कोरिया को एक अलग-थलग परमाणु-सशस्त्र तानाशाही वाला देश कहा जा सकता है लेकिन वह लगातार भारत का मित्र रहा है।

दरअसल भारत की रुचि उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम और पाकिस्तान से उसके संबंधों में है। वर्षों तक पाकिस्तान ने परमाणु तकनीक मुहैया कराकर उत्तर कोरिया की परमाणु हथियार विकसित करने में मदद की है। उत्तर कोरिया ने पाक को मिसाइलें विकसित करने में मदद की है। भारत ने लगातार अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान और उत्तर कोरिया के बीच इन संबंधों के बारे में बताया है। वीके सिंह की 2018 यात्रा के दौरा उत्तर कोरिया ने भारत की सुरक्षा को खतरे में नहीं डालने का वादा किया था। उत्तर कोरिया से भारत के रिश्ते रहे हैं लेकिन हालिया वर्षों में इनमें बहुत ताजगी नहीं दिखी है। उत्तर कोरिया की तुलना में भारत अमेरिका और दक्षिण कोरिया के कहीं ज्यादा करीब है। भारत ने उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल परीक्षणों पर भी चिंता जताई है। बीते 5 वर्षों में दोनों के बीच शीर्ष स्तर की बैठकें भी नहीं हुई हैं।

उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षणों और मिसाइल टेस्ट से कथित तौर पर एशिया की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। इन परीक्षणों के चलते उसे कूटनीतिक रूप से अलग-थलग कर दिया गया लेकिन भारत ने देश से संपर्क नहीं तोड़ा है। भारत उन कुछ देशों में से एक है जिसका प्योंगयांग में दूतावास है। लंबे समय तक तो भारत उत्तर कोरिया का दूसरा और तीसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार रहा है। भारत और उत्तर कोरिया के नेता बहुत जल्दी-जल्दी दौरे नहीं करते हैं। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री ने करीब दस साल पहले 2015 में भारत का दौरा किया था। वहीं भारत के मंत्री वीके सिंह 2018 में उत्तर कोरिया गए थे। वीके सिंह की यात्रा ने विशेष रूप से दुनिया का ध्यान खींचा था क्योंकि इसकी उम्मीद कई देशों को नहीं थी। इससे एक साल पहले ही, 2017 में अमेरिका ने भारत से उत्तर कोरिया के साथ अपने राजनयिक संपर्क कम करने को कहा था। इसे उस समय की भारत की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने नकार दिया था। भारत उत्तर कोरियाई राजनयिकों को प्रशिक्षण भी देता रहा है। भारत ने उत्तर कोरिया को कई महत्वपूर्ण मौकों पर मदद भी की है, जो दोनों की दोस्ती को दिखाता है। साल 2022 में उत्तर कोरिया ने बाढ़ से फसल नष्ट होने के बाद कथित तौर पर भारत से चावल मंगाया था।

क्या कर्नाटक में जाएगी... सिद्धारमैया की सीएम कुर्सी

नई दिल्ली । कर्नाटक में क्या मुख्यमंत्री को बदला जाएगा, यह ऐसा सवाल है जो कांग्रेस सरकार के गठन के साथ ही कर्नाटक के सियासी गलियारों में चर्चाओं में है। एक बार फिर से इस सवाल पर खूब चर्चा हो रही है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को लेकर विपक्ष कई बड़े और गंभीर आरोप लगा रहा है। इस सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि वह पार्टी आलाकमान और विधायकों के फैसले का पालन करुंगा। सीएम ने अपने गृहनगर मैसूरु में यह बात कही। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता आरवी देशपांडे के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त देकर कहा कि मुख्यमंत्री कैसे बनेगा? इस संबंध में पार्टी विधायक और आलाकमान को फैसला करना हैं, वे जो भी निर्णय लेते हैं, उसका पालन करुंगा। जब मीडिया ने उनसे सवाल किया कि इतने लंबे समय के बाद वह कैसे तरोताजा दिख रहे हैं, जबकि बीजेपी दावा कर रही थी कि वह मुद्रा मामले के मद्देनजर सुस्त दिख रहे हैं, तब सिद्धारमैया ने हंसते हुए कहा, विपक्ष ने इस मामले में झूठ बोला है। अगर उनका झूठ साबित नहीं हुआ है, यह उनके लिए मुश्किल होने वाला है। मैंने झूठ नहीं बोला है, न ही गलत बयान जारी किया है और न ही कोई गलती की है। कांग्रेस सरकार द्वारा न्यायिक आयोग की कोविड पर एक रिपोर्ट को कथित तौर पर बीजेपी के खिलाफ इस्तेमाल करने के सवाल पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि इस संबंध में सरकार को सौंपी गई रिपोर्ट गुरुवार को कैबिनेट के सामने रखी जाएगी। भाजपा सांसद और राज्य के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर ने दावा किया है कि इस रिपोर्ट का इस्तेमाल कांग्रेस द्वारा राजनीतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है।

पीएम मोदी के ब्रुनेई और सिंगापुर दौरे पर कांग्रेस का तंज, मणिपुर का मानवीय दौरा कब करेंगे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्रुनेई और सिंगापुर की यात्रा पर निकलने पर कांग्रेस ने मंगलवार को उन पर निशाना साधते हुए पूछा कि ÷हमारा फ्रीक्वेंट फ्लायर÷ अशांत राज्य मणिपुर का %मानवीय% दौरा कब करेगा। प्रधानमंत्री मोदी सभी मौजूदा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के निमंत्रण पर 3-4 सितंबर को ब्रुनेई का दौरा कर रहे हैं। वह अपने सिंगापुर के समकक्ष लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर 4-5 सितंबर को सिंगापुर की यात्रा पर जाने वाले हैं।

कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि गैर-जैविक प्रधान मंत्री ब्रुनेई की %ऐतिहासिक% यात्रा के रूप में प्रचारित कर रहे हैं, जिसके बाद वह सिंगापुर जाएंगे। हमारा फ्रीक्वेंट फ्लायर अशांत राज्य मणिपुर का %मानवीय% दौरा कब करने जा रहा है? उन्होंने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के विपरीत दावों के बावजूद मणिपुर में स्थिति बहुत तनावपूर्ण बनी हुई है। उन्होंने लिखा कि आज मणिपुर में भड़की हिंसा को ठीक 16 महीने हो गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग विस्थापित हो गए, जो राहत शिविरों में बेहद खराब स्थिति में रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह विश्वास से परे है कि नरेंद्र मोदी को अभी भी राज्य में जाने और राजनीतिक दलों, नागरिक समाज समूहों और स्वयं लोगों के साथ बातचीत करने का समय या झुकाव नहीं मिला है। रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट भी टैग की जिसमें मैतेई और कुकी-ज़ोमी समुदायों के बीच अंतर को पाटने के लिए बीरेन सिंह द्वारा नियुक्त एक दूत के हवाले से कहा गया था कि बातचीत के लिए अनुकूल माहौल में हिंसा के बीच मध्यस्थता करना मुश्किल था। कांग्रेस ने शुक्रवार को इस बात पर आश्चर्य जताया था कि प्रधानमंत्री मोदी हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा करके शांतिदूत क्यों नहीं बन सकते, जबकि वह इस भूमिका को निभाने के लिए ÷पूरी दुनिया÷ में जा रहे हैं।

सिंगापुर से इलाज कराकर लौटे लालू फिर हुए एक्टिव, बुलाई अहम बैठक

-तेजस्वी की आभार यात्रा और विधानसभा चुनाव को लेकर होगी चर्चा

पटना (एजेंसी)। सिंगापुर से इलाज कराने के बाद आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पटना लौटते ही एक्शन में दिख रहे हैं। दरअसल लालू यादव सिंगापुर से दिल्ली लौटे और फिर पटना आ गए हैं। पटना आते ही लालू एक बार फिर एक्शन में आ गए हैं। आरजेडी सूत्रों के मुताबिक लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को एक अहम बैठक बुलाई है।

इस बैठक में आरजेडी के चारों सांसद, सभी विधायक और विधान परिषद के सदस्यों को मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। बैठक में तेजस्वी यादव की आभार यात्रा के साथ साथ आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की जाएगी। बताया जा रहा है कि बैठक में कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। बैठक में लालू के साथ तेजस्वी और पार्टी के सभी बड़े नेता मौजूद रहेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को देखते हुए तेजस्वी यादव 10 सितंबर से एक बार फिर बिहार की यात्रा पर निकलने वाले हैं। तेजस्वी अपनी इस आभार यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं और लोगों से बातचीत करेंगे। यात्रा के दौरान कोई सभा नहीं होगी। यात्रा की शुरुआत समस्तीपुर जिले से होगी। यह यात्रा 17 सितंबर चक चलेगी। इस दौरान तेजस्वी दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी और मुजफ्फरपुर का दौरा करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान तेजस्वी हर जिले में दो दिन रहेंगे। बता दें, लालू प्रसाद यादव अपने इलाज के लिए पत्नी राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारती के साथ सिंगापुर गए थे। सिंगापुर में इलाज कराने के बाद लालू सोमवार को पटना लौटे हैं। सिंगापुर प्रवास के दौरान लालू की बेटी रोहिणी आचार्या भी उनके साथ थी। वहीं लालू के पटना एयरपोर्ट पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

गरीब देश में जाकर क्यों जान जोखिम में डाल रहे हैं भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया के दक्षिण पूर्व में भारत से करीब 1721 किलोमीटर दूर 75 लाख की आबादी लाओस देश दक्षिण पूर्वी एशिया का इकलौता लैंडलॉक्ड देश है। यानी इस देश की कोई भी सीमा समुद्र से जाकर नहीं मिलती है, नतीजन इसे समुद्री मार्ग का इस्तेमाल करने के लिए चीन, कंबोडिया, वियतनाम, थाइलैंड या म्यांमार पर निर्भर रहना पड़ता है। इन 5 देशों के साथ लाओस की बॉर्डर है।

पिछले कुछ साल से भारत में इस देश की काफी चर्चा है। कारण... अच्छी नौकरी के लालच में भारतीयों का इस देश में जाना और फिर किसी फर्जीवाड़े का शिकार होकर वहां फंस जाना। लाओस में ऐसे ही एक ट्रैप में पिछले कई महीनों से फंसे 47 भारतीयों को भारतीय दूतावास ने साइबर स्कैम सेंटर्स से छुड़ाया है। ये लोग लाओस के बोकेओ प्रांत में फंसे हुए थे।यह पहली बार नहीं है, जब इतनी बड़ी तादाद में भारतीयों को लाओस से छुड़ाया गया है। इससे पहले भी ऐसे कई मौके आ चुके हैं। भारतीय दूतावास के मुताबिक अब तक लाओस से ऐसे 635 भारतीयों को बचाया गया है, जो जॉब स्कैम में फंसकर लाओस में प्रताड़ना का शिकार हो रहे थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक लाओस में साइबर स्कैम करने वाले अपराधी काफी एक्टिव हैं। ये लोग नौकरी के फर्जी विज्ञापन देकर भारत सहित आसपास के देशों से लोगों को अपने देश में बुला लेते हैं। वहां, पहुंचने वाले लोगों का पासपोर्ट जब्त कर लिया जाता है और फिर खेल शुरू होता है साइबर स्कैम के जंजाल का। नौकरी के लालच में लाओस पहुंचने वाले लोग पासपोर्ट जब्त होने के बाद फंस जाते हैं और उनका निकलना मुश्किल हो जाता है। एशिया के अलग-अलग देशों से नौकरी के लोभ में लाओस पहुंचे लोगों से पहले तो डेटिंग ऐप पर फर्जी फोटो के जरिए लड़की की सोशल मीडिया प्रोफाइल बनवाई जाती है। इसके बाद उन्हें साइबर ठगी करने के लिए कहा जाता है। बुरी तरह फंस चुके लोगों को बकायदा एक टारगेट दिया जाता है। वहां फंसने वाले लोग डेटिंग ऐप पर लड़की बनकर लड़कों से चैट करते हैं। जब उन्हें लगता है कि सामने वाला उनकी बातों में फंस चुका है तो वे उससे क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग में निवेश करने के लिए तैयार करते हैं। जो भी शख्स अपने टारगेट को पूरा नहीं कर पाता उसे नरक से भी बदतर प्रताड़ना दी जाती है।

बिहार में कुर्मी से ज्यादा ब्राह्मण... फिर नेतृत्व क्यों नहीं कर सकते : पीके

-भाजपा के डर से कांग्रेस और राजद को वोट देता है मुसलमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनसुराज के नेता और राजनैतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार की राजनीति को लेकर कहा कि नीतीश कुमार जिस कुर्सी जाति से आते हैं, उससे अधिक ब्राह्मणों की आबादी है। इसकारण यदि कुर्मी नेता नेतृत्व कर सकता है, तब बिहार में कोई ब्राह्मण क्यों नहीं कर सकता। उन्होंने खुद की ब्राह्मण पहचान को लेकर कहा कि आखिर संविधान में कहां लिखा है कि सवर्ण कोई राजनीतिक प्रयास नहीं कर सकता। पीके ने कहा कि मैं जातिवादी राजनीति नहीं करता हूं, लेकिन कुछ लोग मेरे नाम में पांडेय ढूंढकर ला रहे हैं।

पीके ने कहा, 18 फीसदी आबादी मुसलमानों की है और उनकी भूमिका भी अहम होगी। हम तय करते हैं कि दल के पदाधिकारियों में 18 प्रतिशत मुसलमान है। इसके अलावा टिकट पाने और पदों पर आने के मामले में भी उन्हें मौका मिलेगा। पीके ने कहा कि 2 अक्टूबर को हमारा दल औपचारिक रूप लेगा। इसमें एक साथ 1 करोड़ लोग आएंगे। यह ऐसा पहली बार होगा, जब कोई पार्टी बनाने के लिए ही 1 करोड़ लोग आगे आएंगे। हम अलग-अलग वर्गों से बात कर रहे हैं। मुसलमानों के साथ बैठक की है। उन्होंने कहा कि हमारी मूलभावना है कि सभी को साथ लेकर दल बनाना है।

वहीं बिहार में पीके ने आरजेडी के एमवाय समीकरण पर कहा कि यह अस्तित्व में नहीं है। पीके ने कहा कि 2014 में 4 सांसद उनके बने और फिर 2019 में यह आंकड़ा जीरो पर रहा। फिर से 4 सीट ही उन्हें मिली है। अब तक मुसलमान वोट उन्हें देता रहा है, लेकिन इसकी वजह आरजेडी का काम नहीं है बल्कि भाजपा से डर है। मुसलमानों की बात करें तब दलितों के बाद सबसे बदहाल मुसलमान ही हैं। उन्हें दिख रहा है कि कुछ मिल नहीं रहा है। ना ही विकास हुआ और ना राजनीतिक भागीदारी मिल सकी है। हम उन्हें यह बताएंगे कि वह सिर्फ भाजपा के विरोध में वोट न दें बल्कि अपने बच्चों के भविष्य के लिहाज से आगे बढ़ें।

पीके ने कहा कि ऐसा ही एक बड़ा वर्ग जो नीतीश कुमार या भाजपा को वोट देता है, वह लालू से डर वाला है। मैं मुसलमानों को बताता हूं कि आपने अब तक जिन रहनुमाओं को चुना है, उन्होंने आपके लिए क्या किया। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट 2006 में आई। तब ज्यादा दिन भाजपा का शासन नहीं था। उस रिपोर्ट के आधार पर साफ है कि मुसलमानों ने जिन लोगों को वोट दिया था, उन्होंने उन्हें आगे नहीं बढ़ाया। पीके ने कहा कि जनसुराज पार्टी का नेता मैं नहीं रहूंगा।

चुनावी रणनीतिकार रहे पीके ने कहा कि मैंने अपना सब कुछ इसके लिए दांव पर लगाया है। इस दौरान मैं बाहर नहीं निकला हूं। बिहार की स्थिति बदलने का पूरा खाका बनाकर आया हूं। उन्होंने कहा कि हमारा अभियान यह है कि आजादी से पहले ही कांग्रेस जैसा एक दल बनाया जाए। उस दौर में कांग्रेस का अध्यक्ष अधिवेशन में चुना जाता था और उनका कार्यकाल डेढ़ साल से ज्यादा का नहीं होता था। तब अनपढ़ लोगों की संख्या अधिक थी, लेकिन लोकतंत्र इतना अधिक था। फिर भी लोग अपने नेता का चुन लेते थे। क्या ऐसी स्थिति बिहार में नहीं हो सकती है। हम उसी को मॉडल मानकर आगे चल रहे हैं।

चंबल में सांपों के आतंक से ग्रामीण दहशत में, 24 अजगरों का किया रेस्क्यू

ग्वालियर (एजेंसी)। चंबल सेंचुरी के वन क्षेत्राधिकारी के.के. त्यागी ने ग्रामीणों की सूचना पर चंबल सेंचुरी टीम और वन्य जीव प्रतिनिधियों ने मिलकर इस रेस्क्यू अभियान को अंजाम दिया. रेस्क्यू के दौरान 24 अजगर और एक करैत सांप को सुरक्षित बाहर निकाला है। इस घटना के बाद इलाके में ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ था, जिससे उन्होंने खेती करना छोड़ दिया था। रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उन्हें राहत मिली है।

त्यागी ने बताया कि सभी सांप चार फिट से ज्यादा लंबे थे और उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया है। रेस्क्यू अभियान के डॉ. आशीष ने बताया कि वे पिछले दस सालों से सांपों का रेस्क्यू कर रहे हैं, लेकिन पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सांपों का रेस्क्यू किया गया है। इटावा जिले में पिछले दस सालों में करीब 10 हजार छोटे-बड़े अजगरों का रेस्क्यू किया गया है। 5 किलो से लेकर 100 किलो वजनी और 5 फीट से लेकर 20 फुट लंबे अजगरों को सुरक्षित रेस्क्यू करके जंगल में छोड़ा गया है. पिछले 20 सालों से इटावा जिले में बड़े पैमाने पर जमीन से अजगरों के निकलने का सिलसिला जारी है।

इटावा में अजगरों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि इसे देश-दुनिया का सबसे बड़ा अजगरों का बसेरा बन गया है। अजगर आमतौर पर लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन जब वे खतरे में होते हैं, तो उनका बचना मुश्किल होता है। जंगलों के कटने के कारण अजगर अब इंसानी बस्तियों की ओर बढ़ रहे हैं, जहां वे अपना बसेरा बना रहे हैं। अजगर एक संरक्षित जीव है। इसके संरक्षण के लिए केंद्र या राज्य सरकार की ओर से कोई विशेष योजना नहीं बनाई गई है। इसलिए रेस्क्यू किए गए अजगरों को संरक्षित वन क्षेत्रों में छोड़ा जाता है. चंबल घाटी के यमुना और चंबल नदियों के किनारों पर सैकड़ों अजगर पाए जाते हैं, हालांकि इनकी कोई तथ्यात्मक गणना नहीं की गई है।

दादरा नगर हवेली में हिन्दी पखवाड़ा के तहत हिन्दी वाक प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 03 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमण एवं दीव प्रशासन के राजभाषा विभाग द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी वाक प्रतियोगिता का आयोजन सिलवासा नगरपालिका परिषद के सभागार पर किया गया। इस प्रतियोगिता में स्नातक वर्ग, कर्मचारी वर्ग तथा गैर-सरकारी वर्ग के अंतर्गत दिए गए विषयों पर प्रशासन के विभिन्न विभागों, स्कूलों तथा महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में डॉ. प्रोमिला उपाध्याय प्राचार्य शिव प्रकाश स्कूल, राकेश रॉय, कवि एवं लेखक तथा पिंकी खीमनानी, राजभाषा अधिकारी एलआईसी निर्णायकगण के रूप में उपस्थित रहे। इस उपलक्ष्य में तीनों निर्णायकों ने दादरा नगर हवेली में राजभाषा हिन्दी के विकास पर चर्चा करते हुए सभी प्रतियोगियों को शुभकामनाएं दी। राकेश रॉय, कवि एवं लेखक ने इस अवसर पर अपनी कविताओं की प्रस्तुति की। डॉ. अनिता कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिन्दी वाक प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए। इस प्रतियोगिता में स्नातक वर्ग, कर्मचारी वर्ग तथा गैर सरकारी वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

केबीएस एंड नटराज कॉलेज की शतरंज महिला खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 03 सितंबर। चणोद स्थित केबीएस कॉमर्स एंड नटराज प्रोफेशनल साइंसिस कॉलेज वापी की शतरंज महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने बारडोली स्थित विद्याभारती ट्रस्ट कालेज में 16 अगस्त 2024 को आयोजित इंटर कॉलेज शतरंज महिला प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इस टीम में कृतिका शर्मा (टीवाई. बीकॉम), काजल त्रिपाठी (टीवाई. बीकॉम), ज्योति गढ़वी (टीवाई. बीकॉम), मोनिका सिंह (एसवाई.बीकॉम) एवं श्रावणी गंगुर्डे (एसवाई बीएससी माइक्रोबायोलॉजी) शामिल हैं। प्राचार्य डॉ. पूनम बी. चौहाण ने सभी खिलाड़ियों और उनके मार्गदर्शकों, कॉलेज फिजिकल शिक्षा शिक्षक डॉ. मयूर पटेल और रोहित सिंह ने कड़ी मेहनत की और कॉलेज का नाम रोशन किया, इस बड़ी सफलता के लिए बधाई दी।

मैगी खाने निकला आर्यन....कथित गौरक्षकों ने गोली मारकर कर दी हत्या

फरीदाबाद (ईएमएस)। हरियाणा के फरीदाबाद से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां 12वीं में पढ़ने वाले 19 वर्षीय स्टूडेंट की कथित गौरक्षकों ने गोली मारकर हत्या कर दी। दोस्तों के साथ मैगी खाने कार से निकले आर्यन मिश्रा का 30 किलोमीटर तक पीछा कर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या के आरोप में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों का कहना है कि उन्हें ऐसी ही कार में तस्करों के आने की सूचना मिली थी। आर्यन मिश्रा हत्याकांड में गिरफ्तार किए आरोपियों की पहचान सौरभ, अनिल कौशिक, वरुण, कृष्ण और आदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है। वारदात वाले दिन आर्यन अपने मकान मालिक और उनके जानकारों के साथ डस्टर कार में बैठकर मैगी खाने बड़खल स्थित एक मॉल में गया था। तभी लौटते समय पटेल चौक पर आरोपियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस पर, कार चला रहे आर्यन के एक जानकार ने गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी। इसके बाद आरोपियों ने करीब 30 किलोमीटर तक मृतक और उसके जानकारों को पीछा किया। फिर दिल्ली आगरा-हाईवे के गदपुरी टोल से कुछ आगे खुद को गौरक्षक बताने वाले आरोपियों ने पशु तस्कर समझकर आर्यन को गोली मार दी थी। गोली लगने से घायल आर्यन की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। गिरफ्तारी के बाद अनिल कौशिक आदि ने बताया था कि उन्होंने अवैध हथियार से आर्यन मिश्रा को गोली मारी थी। पुलिस ने अनिल कौशिक के घर से अवैध हथियार बरामद कर लिया है। वारदात में प्रयुक्त एक कार भी बरामद की गई है। सूत्रों के अनुसार, आरोपियों ने बताया कि 23 अगस्त की रात उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि डस्टर और फॉच्यूर्नर कार सवार कुछ पशु तस्कर शहर में रेकी कर रहे हैं। साथ ही जहां उन्हें पशु मिल रहे हैं, कंटेनर मंगाकर उन्हें उठा ले रहे हैं। इस सूचना के बाद अनिल कौशिक और उसके साथी शहर में कार सवार उन पशु तस्करों की तलाश कर रहे थे। इस दौरान उन्हें पटेल चौक पर एक डस्टर कार दिख गई। आरोपियों ने कार चालक को रुकने को कहा, लेकिन कार चला रहे शख्स ने डर के कारण कार की रफ्तार बढ़ा दी। इसी के चलते गलतफहमी में उन्होंने उस कार का पीछा करते हुए गोली चला दी, जो आर्यन मिश्रा को जा लगी और उसकी मौत हो गई।

हिमाचल में वित्तीय संकट....वेतन और पेंशन नहीं मिला कर्मचारियों को

शिमला (ईएमएस)। भले ही हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के गहराते वित्तीय संकट के बारे में चिंताओं को दूर करने की कोशिश की हो, लेकिन सेवारत और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों की वेतन और पेंशन में देरी ने इस आंशका को सच साबित कर दिया। जब सोमवार को उनके बैंक खातों में कोई भुगतान नहीं किया गया। आम तौर पर वेतन और पेंशन हर माह की पहली तारीख को उनके बैंक खातों में जमा कर दी जाती है। हालाँकि, रविवार होने के कारण वेतन सोमवार को वितरित किया जाना चाहिए था, जो नहीं हुआ, जिससे दो लाख से अधिक नियमित कर्मचारी काफी चिंतित हैं। अभी भी कोई आधिकारिक बयान नहीं है, कि वेतन कब वितरित होगा, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के साथ-साथ नौकरशाही के बीच भी चिंता है कि गंभीर वित्तीय संकट के बीच स्थिति से कैसे निपटा जाए। हालांकि पिछले शासनकाल में इसतरह के उदाहरण आए हैं जब राजकोष घाटे में चला गया, लेकिन वेतन और पेंशन में कभी देरी नहीं हुई। हालाँकि, इस बार देरी एक दिनचर्या बन सकती है क्योंकि अधिक ऋण जुटाने का कोई प्रावधान नहीं है और राज्य पूरी तरह से केंद्र पर निर्भर है। विडंबना यह है कि एचपी राज्य विद्युत बोर्ड के कर्मचारी और पेंशनभोगी, जिन्हें अतीत में हमेशा देरी से वेतन मिलता था, भुगतान प्राप्त करने वाले एकमात्र व्यक्ति थे। सीएम सुक्खू ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया है, जिसका दोष उन्होंने उनके द्वारा शुरू की गई मुफ्त की संस्कृति को दिया है। राज्य विधानसभा में सुक्खू कहना चाहते थे कि इन सभी मुफ्त सुविधाओं ने उस वित्तीय संकट में प्रमुख भूमिका निभाई है जिसका राज्य वर्तमान में सामना कर रहा है। लेकिन उन्होंने सदन के सदस्यों से कहा कि राज्य के खजाने की स्थिति जल्द ही बेहतरी के लिए बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि वह हिमाचल प्रदेश को 2027 तक आर्थिक रूप से स्वतंत्र राज्य और 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाना चाहते हैं। कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने पर सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने कहा कि हर बार पेंशनभोगियों और कर्मचारियों को हर महीने की 1 तारीख तक वेतन मिल जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा मैं पहली बार देख रहा हूं जब 3 सितंबर है और कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है।

CHANGE OF NAME

OLD NAME - YUSUFALI HATIMALI DHORAJIWALA
NEW NAME - YUSUF HATIMALI DHORAJIWALA
ADD :- ASHARAM TEMPLE, ROAD, SILVASSA 396230,UT OF DNH AND DD

CHANGE OF NAME

OLD NAME - RASHMITABEN NALINKUMAR PATEL
NEW NAME - RASHMITABAHEN NALINKUMAR PATEL
ADD :- FLAT NO. A-108, SAI AURA, RING ROAD, SILVASSA-396230, UT OF DNH AND DD

कमला हैरिस या ट्रम्प में कौन बनेगा अमेरिकी राष्ट्रपति

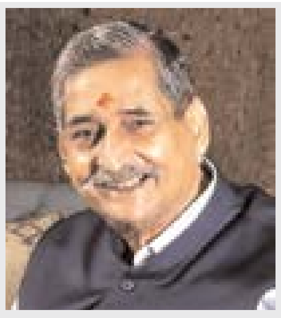

आर.के. सिन्हा

भारत सरकार किसे विजयी देखना चाहती है? यह तय है कि भारत सरकार जो भी जीतेगा उसके साथ तो ताल- मेल बैठकर काम तो करेगी ही! यह बात भारत- अमेरिका के गहरे द्विपक्षीय संबंधों की रोशनी में कही जा सकती है, जो लगातार मजबूत होते ही चले जा रहे हैं।

अमेरिका में बसे लाखों भारतीय डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हैं या कमला हैरिस के पक्ष में? अगर मीडिया पर आ रही खबरों पर यकीन करें तो कमला हैरिस को तो आज के दिन अधिक लोकप्रिय बताया जा रहा है और प्रतिदिन कमला की लोकप्रियता बढ़ती ही चली जा रही बताते हैं। भारत सरकार किसे विजयी देखना चाहती है? यह तय है कि भारत सरकार जो भी जीतेगा उसके साथ तो ताल- मेल बैठकर काम तो करेगी ही! यह बात भारत- अमेरिका के गहरे द्विपक्षीय संबंधों की रोशनी में कही जा सकती है, जो लगातार मजबूत होते ही चले जा रहे हैं। एक बात जान लें कि अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के एकमुश्त वोट तो कमला हैरिस को नहीं मिलेंगे, कुछ वोट तो बटेंगे ही! कुछ वोट ट्रम्प के खाते में भी जाएंगे। पर कमला हैरिस को भारतीय अपना तो मानते हैं। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन, तमिलनाडू के एक कुलीन बाह्मण परिवार से थीं। यह समाज अपनी बेटियों की शिक्षा पर भी बहुत ध्यान देता है। इसलिए इस परिवार ने श्यामला गोपालन को अपने सपनों को पूरा करने के लिए नई दिल्ली जाने की अनुमति दी। जहां उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की। श्यामला के पिता पी.वी. गोपालन भी सरकारी सेवा में ही थे और मां सफल गृहणी थी। गोपालन जी सरकारी दफ़्तर में टाइपिस्ट थे और अपनी लगन और ईमानदारी के सहारे पदोन्नति पाते रहे। वह अपनी नौकरी के सिलसिले में मद्रास, नई दिल्ली, मुंबईऔर कोलकाता में रहे। डीयू से 19 साल की उम्र में डिग्री लेने के बाद, कमला हैरिस की मां श्यामला ने अमेरिका का उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए रूख किया। उन्होंने अमेरिका में एक अफ्रीकी मूल के शख्स से शादी की, जिसका परिवार कैरिबियाई देश जमाईका में बस गया था। इस लिहाज से देखा जाए तो कमला हैरिस को भारतीय और अफ्रीकी कहीं ना कहीं अपने से जुड़ा मानते हैं।

उधर, ट्रम्प का भी अपना एक खास जनाधार है ही। वह अमेरिका के 2016-2020 के दौरान राष्ट्रपति रहे हैं। ट्रम्प वह व्यक्ति भी हैं जिन्होंने यूक्रेन और गाजा में संघर्षों को समाप्त करने का वादा किया है, जो लेबनान तक फैल गया है। वह इसे कितना गंभीरता से मानते हैं और क्या वह सफल होंगे, यह अनुमान का विषय है, लेकिन कम से कम उन्होंने वादा तो किया ही है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन भी गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए अपने ढंग से कुछ काम भी कर रहे हैं। उम्मीद है कि इससे डेमोक्रेटिक पार्टी को मदद मिल सकती है। लेकिन न तो बाइडेन और न ही कमला हैरिस ने अब तक गाजा में शांति लाने का कोई ठोस इरादा दिखाया है। ऐसे में क्या ट्रम्प की जीत विश्व शांति के लिए भी मतदाता अच्छी मानेंगें?

भारत -अमेरिका संबंध

अब जरा बात कर ले भारत- अमेरिका संबंधों की। तो ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं, इससे भारत-अमेरिका संबंधों पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा कि व्हाइट हाऊस में ट्रम्प पहुंचते हैं या कमला हैरिस। भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध तो बेहतर होते रहेंगे, यही अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विश्लेषक मानते हैं। दोनों देशों के संबंध उस दायरे से कहीं आगे जाते हैं, जब सत्ता परिवर्तन का असर संबंधों पर होता है। इन संबंधों में किसी पर्सनेल्टी का असर नहीं हो सकता। हां, दोनों देशों के नेताओं के निजी संबंधों से संबंध और बेहतर तो हो सकते हैं। यह हमने नरेन्द्र मोदी और बराक ओबामा, फिर मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प और उसके बाद मोदी और बाइडेन के समय देखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से अमेरिका के दो पूर्व राष्ट्रपतियों बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रम्प के साथ एक अलग पर्सनल केमिस्ट्री विकसित की थी, वैसी ही केमिस्ट्री उनकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ भी बनी। कुछ अस्वस्थ होने के बावजूद पिछले साल बाइडेन जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली आए। उसके बाद से उनकी भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से आपसी और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर अक्सर बातचीत होती ही रहती है।

एक बात और। अगर ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति बन जाते हैं तो संसार के इस्लामिक देशों के साथ वे किस तरह का संबंध बनाकर रखना चाहेंगे? वह पहली बार जब राट्रपति का चुनाव जीते थे तब सारा इस्लामिक संसार दुखी था। वह अपनी कैंपेन के दौरान बार-बार इस्लाम को लेकर बयान दे रहे थे। उन्होंने इस्लाम को अमेरिका विरोधी बताते हुए उनके अपने देश में प्रवेश पर पाबंदी लगाने की मांग तक दोहराई थी। हालाकि उन्होंने कहा था कि उनकी लड़ाई कट्टरपंथी मुसलमानों से है। लेकिन, इस बार वह संभल कर चल रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के पनपने के लिए बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन को जिम्मेदार मानते हैं। ट्रम्प के इस तरह के बयानों पर उन्हें अमेरिका के गैर- मुसलमानो का समर्थन भी मिला। डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे से सनसनी पैदा हो गई थी कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद दुनिया भर के मुसलमान जश्न मनाने के लिए 'सड़कों पर उतर' आए थे। उसके बाद उन्होंने कहा, अरब और अमेरिकी मुसलमानों ने आंतकी हमलों का जश्न मनाया था। ट्रम्प ने अपने देश में मुसलमानों की निगरानी करने के लिए एक डाटा बेस बनाने का भी वादा किया था। ट्रम्प ने यह भी कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए अमेरिका के मुस्लिमों पर तगड़ी निगरानी जरूरी होगी। तब उनकी अमेरिकी मीडिया ने तीखी आलोचना की थी। लेकिन ट्रम्प अपने रुख पर कायम रहे थे। यह सच है कि अमेरिका में 9/11 की घटना के बाद औसत अमेरिकी मुसलमानों से डरने और सतर्क रहने लगा था। हालांकि 9/11 की घटना के बाद दुनिया अब बहुत कुछ बदल चुका है। फिलहाल तो यह देखने वाली बात है कि अमेरिका का नया राष्ट्रपति कौन बनता है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

त्वरित न्याय की जरूरत

त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने का प्रयास किया जाना जरूरी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। अदालतों में लंबित मामलों का लंबित होने को हम सभी के लिए बड़ी चुनौती बताते हुए उन्होंने कहा कि न्याय की रक्षा करना देश के सभी न्यायाधीशों की जिम्मेदारी है। महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या में वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में मौजूद प्रधान न्यायाधीश ड़ीवाई चंद्रचूड़.ने कहा कि, यह सुनिश्चित किया जाए कि अदालतें समाज के सभी सदस्यों के लिए सुरक्षित व सहज वातावरण प्रदान करें। इस तथ्य को बदलना होगा कि अदालतों को बुनियादी ढांचा केवल 6.7 फीसद महिलाओं के अनुकूल है। सार्वजनिक मंचों से इस तरह के बातें होना कोई नई बात नहीं है। अदालतों में वर्षों से लंबित मामलों को लेकर मुख्य न्यायाधीश पहले भी कई बार विभिन्न मंचों से बोल चुके हैं। खासकर निचली अदालतों की कार्यशैली, सुविधाओं की कमी, जजों की अपर्याप्त संख्या जैसी समस्याओं का हल खोजने के प्रति सरकारी रवैया बहुत ही ढुलमुल है। वादी व प्रतिवादी तारीख पर तारीख लेते-लेते आजिज आ जाते हैं। कई दफा उनके जीते-जी फैसला भी नहीं हो पाता। केवल अदालतों में ही नहीं, बल्कि अभी तो विभिन्न कार्यक्षेत्रों में महिलाओं की सहभागिता नाममात्र ही है। न्यायपालिकाङ्क कार्यपालिका से लेकर विधायिका तक महिलाओं के काम करने के अनुकूल स्थितियां होना अभी बेहद चुनौतीपूर्ण है। हालांकि देश भर की अदालतों में न्यायाधीशों की नियुक्ति और अन्य आधारभूत सुविधाओं को बढ़ाकर लंबित मामलों को कम करने की भरसक कोशिश की गई है। हां, कोरोना के वक्त जरूर न्यायिक कामकाज में व्यवधान आया, मगर अब नये सिरे से इस बारे में गंभीरता से मंथन होना अच्छा संकेत है। देश की प्रथम नागरिक, प्रधान न्यायाधीश से लेकर कानून मंत्री तक लंबे समय तक लंबित मामलों को लेकर संजीदा हो रहे हैं। इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही इस गंभीर समस्या का उचित समाधान खोजने में सफलता प्राप्त हो सकती है। निःसंदेह त्वरित न्याय सुनिश्चित होने से जनमानस में न्यायपालिका के प्रति आस्था बढे]गी। साथ ही मानव श्रम, समय और अनावश्यक धन व्यय में लगाम लगने से व्यवस्था सुविधाजनक हो सकेगी।

चिंतन-मनन

अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहत हो जाती है।

किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभाव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोपात्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है और स्वयं उससे संरक्षित होता हुआ अहिंसा का संरक्षक बन जाता है। अहिंसा के संरक्षक इस संसार के पथ-दर्शक बनते हैं और हिंसा, भय, संत्रास, अनिश्चय, संदेह तथा असंतोष की अरण्यानी में भटके हुए प्राणियों का उद्धार करते हैं।

वर्षा जल को बर्बाद होने से बचाएं

विष्णु अग्रवाल

मानसून का महीना हर किसी को आत्मिक आनंद से सराबोर करने वाला होता है इस समय नील व्योम काली घटाओं के केन्द से बंद मेघो के माध्यम से वसुधा को अपनी असमी स्वर्णिम जलबूंदो से तरबतर करने को उत्साहित व आतुर दिखाई पड़ता है। शीतलता भरी छुअन घुल जाने से प्राणी जगत को भीषण गर्मी से राहत मिलने लगती है।

भले शहर में मिटटी के लोग बारिश में भीग जाने से कतराते हो, लेकिन गांव में तो आज भी बारिश को एक उत्सव व त्योहार के रूप में मनाने व बिंदास होकर खूब भीग जाने की परम्परा जीवित है। यहां तो बारिश के आगाज के साथ ही नग्गे बदन बच्चो की टोलियां में धमा चौकड़ी मचाती हुई देखी जा सकती है। हम मानसून की मस्ती में इतने भी मशगूल नही हो जाए कि वर्षा जल संचयन को ही भूल जाऐ। हाल के वर्षो मे वर्षा जल संचयन को लेकर व्यक्तिगत प्रयासो में कमी आई है। पहले गांवो में वर्षा जल संचयन परंपरा का एक अभिन्न अंग हुआ करता था। दुनिया के सर्वाधिक बारिश होने वाले क्षेत्रो में भारत भी है, यहां हर वर्ष बर्फ पिघलने ओर वर्षा जल के रूप में औसतन 4000 अरब घनमीटर पानी प्राप्त होता है, जबकि यह देश वर्षा जल का 1869 अरब घनमीटर (मतलब सिर्फ 46 प्रतिशत) पानी का उपयोग कर पाता है, बाकी 54 प्रतिशत पानी व्यर्थ में बहकर नदी-नालो के द्वारा समुद्र में चला जाता है। मणिपुर से भी छोटे इजराइल जैसे देशो में जहां वर्षा का औसत 25 से.मी. से भी कम है, वहां भी जीवन चल रहा है।

वहां जल प्रबंधन तकनीक अति विकसित होकर जल की कमी का आभास नही होने देती, अपितु कृषि से कई बहूमूल्य उत्पादो का निर्यात करके विदेशी मुद्रा अर्जित कर रहा है। बारिश के पानी का विभिन्न स्त्रोतो व प्रकल्पों व सुरक्षित व संग्रहित रखना व करना वर्षा जल संचयन कहलाता है। वर्षा जल संचयन वर्षा जल के भंडारण को संदर्भित करता है, ताकि जरूरत पड़ने पर बाद में इसका उपयोग किया जा सके। इस तरह व्यपाक जलराशि को एकत्रित करके पानी की किल्लत को कम किया जा सकता है।

भारत में पेयजल संकट एक प्रमुख समस्या है। भूमिगत जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा ह और इस वजह से पीने के पानी की किल्लत बढ रही है सिकुडती हरित पटटी इसका मुख्य कारण है। पेड़ों से जहां पर्याप्त मात्रा में वर्षा हासिल होती है वही यही पेड़ भूमिगत जल का स्तर बनाये रखने में भी अहम्‍ भूमिका निभाते है। लेकिन दुत गति से होने वाले विकास कार्यो ने हमारी हरित पटटी की तेजी से बलि ली है उसी का नतीजा है कि न सिर्फ भूमिगत जल का स्तर नीचे गया है, बल्कि वर्षा में भी लगातर कमी आई है। गौरतलब है कि भारत में दो सौ साल पहले लगभग 21 लाख सात हजार तालाब थे। साथ ही लाखो कुऐ, बावड़ियां झीलें पोखर और झरने भी हमारे देश की गोदी में हजारो नदियां खेलती थी, किन्तु आज से नदिया हजारो में से केवल सैकड़ो में ही बची है। ये सब नदिया कहां गई कोई नही बता सकता है।

जिस भारत में 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा हो यहां आज स्वच्छ जल का उपलब्ध न हो पाना विकट समस्या है। आज देश में करीब 60 करोड़ लोग पानी की गंभीर किल्लत का सामना कर रहे है। करीब दो लाख लोग स्वच्छ पानी न मिलने के चलते हर साल जान गंवा देते है। नीति आयोग द्वारा जारी समग्र जल प्रबन्धन सूचकांक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। जिसमें कहा गया है सन 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध जल वितरण की दोगुनी हो जायेगी। जिसका मतलब है कि करोड़ों लोगो के लिए पानी का गंभीर संकट पैदा हो जायेगा और देश की जीडीपी में छह प्रतिशत की कमी देखी जायेगी। वर्षा जल संचयन के लिए वर्तमान में कई वैज्ञानिक व परंपरागत विधिया प्रयोग में लायी जा रही है। यहां कुछ ऐसी ही विधियों व प्रणाली का उल्लेख किया जा रहा है, जो वर्षा जल संग्रह में सहायता कर सकती है।

यह वर्षा जल संग्रहण की सबसे उत्तम व आसान विधि है। इस विधि से संचित पानी को किसी अन्य माध्यम से स्वच्छ किये बिना ही इसका मानवहित में उपयोग किया जा सकता है। बांध परियोजनाओं का सफल निर्माण बारिश के जल को संग्रहित करने में काफी कारगर सबित हो सकता है। बांध जैसे प्रकल्पों में जलराशि को लंबं समय तक बांधकर इसका उपयोग नहरों के माध्यम से सिंचाई के प्रयोजनों के लिए किया जा सकता है। अगर अब भी हम सचेत नही हुए तो दक्षिण अफ्रीकी शहर केपटाउन की तरह भारत को भी पानी सपने में ही देखने को नसीब होगा हालाकि पूरे विश्व में धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, किन्तु इसमें से 97 प्रतिशत पानी खारा है जो पीने योग्य नही है, पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ 3 प्रतिशत है। इसमें भी 2 प्रतिशत पानी ग्लेशियर एवं बर्फ के रूप में है। इस प्रकार सही मायने में मात्र 1 प्रतिशत पानी ही मानव के उपयोग हेतु उपलब्ध है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक मानव का दायित्व बनता है कि वो अपने हिस्सा का पानी पहले से ही संग्रहित करके रखे। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों और गुजरात के कुछ इलाको ने पारंपरिक रूप से घर के अन्दर भूमिगत टैंक बनाकर जल संग्रह करने का प्रचलन है, इस परम्परा को अन्य राज्यों में लागू कर हम इस गंभीरता को कम कर सकते है। कठोर कानून के द्वारा नदियों में छोडे.जाने वाले अपशिष्ट पर लगाम लगाकर जल प्रदूषण को रोका जा सकता है और वर्षा चक्र को बाधित होने से बचाया जा सकता है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

मुद्दा : ओवर टूरिज्म के खतरे

मनीष कुमार चौधरी

दुनिया भर में पर्यटकों की संख्या कोविड महामारी से पहले के स्तर पर लौट रही है, कुछ देशों में पर्यटकों की संख्या में बहुत ज्यादा उछाल देखने में आया है। यात्रियों और पर्यटकों की बेहिसाब आवक को देखते हुए कुछ प्रमुख शहर और स्थल अब प्रतिबंध, जुमार्ना, कर और समय-सीमा प्रणाली लागू कर रहे हैं। पर्यटकों की संख्या को कम करने के लिए हतोत्साहित करने के अभियान भी शुरू हो रहे हैं। बार्सिलोना में स्थानीय निवासी पर्यटकों पर पानी छिड़क कर अति पर्यटन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। स्पेन के अन्य हिस्सों जैसे मलागा और कैनरी द्वीप में भी इसी तरह से विरोध प्रकट किया गया। इटली के सिसिली, ग्रीस के सेंटोरिनी, क्रोएशिया के डबरोवनिक और इंडोनेशिया के बाली में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। रोम में ट्रेवी फाउंटेन और स्पेनिश स्टेप्स जैसी लोकप्रिय जगहों पर बैठना प्रतिबंधित कर दिया गया है।

सवाल यह है कि पर्यटकों की इस अनियंत्रित भीड़ के लिए कौन जिम्मेदार है? अति पर्यटन के लिए सोशल मीडिया प्रमुख कारकों में से एक है, जिसने पर्यटन को हॉटस्पॉट में बदल दिया है, जिससे वैश्विक स्तर पर पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है, जबकि गंतव्यों की क्षमता सीमित है। लगभग 80 प्रतिशत यात्री दुनिया के सिर्फ 10 प्रतिशत पर्यटन स्थलों पर जाते हैं। अनुमान है कि 2030 तक दुनिया भर में पर्यटकों की संख्या, जो 2019 में 1.5 बिलियन के शिखर पर थी, 1.8 बिलियन तक पहुंच जाएगी। जिससे पहले से ही लोकप्रिय स्थानों पर और ज्यादा दबाव पड़ने की संभावना है। अकेले बार्सिलोना में एक वर्ष में 1.6 मिलियन निवासियों के मुकाबले 30 मिलियन पर्यटक आए हैं। वर्ष 2023 के पहले तीन महीनों में विदेश जाने वाले लोगों की संख्या 2022 की इसी अवधि की तुलना में दोगुनी हो गई है। वर्ल्ड ट्रैवल टूरिज्म काउंसिल के अनुसार, इस साल पर्यटन क्षेत्र के 7.5 ट्रिलियन पाउंड तक पहुंचने की उम्मीद है, जो महामारी से पहले के स्तर का 95 प्रतिशत है, जबकि पर्यटन उद्योग के 2033 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था का 11.6 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करने का अनुमान है। पर्यटकों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में 14वें स्थान पर है। क्रोएशिया, जिसकी जनसंख्या दिल्ली या मुंबई के एक छोटे से उपनगर जितनी है तथा जिसका क्षेत्रफल भारत के क्षेत्रफल का 2 प्रतिशत से भी कम है वहां 21 मिलियन से अधिक पर्यटक आते हैं। पर्यटकों को आकर्षित करने में दुनिया में अग्रणी खंस में 117 मिलियन पर्यटक आते हैं, जो भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या से साढ़े छह गुना अधिक है। हालांकि भारत में आध्यात्मिक पर्यटन में बेतहाशा वृद्धि हुई है। ऑडिट कंपनी केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार 66.4 लाख विदेशी पर्यटक 2022 में तीर्थ स्थलों पर आए। वर्ष 2020 में यह संख्या 10 लाख थी। देश में धार्मिक पर्यटन पिछले पांच साल में प्रत्येक वर्ष 19 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। ट्रेवल ब्लॉगर, टूरिज्म हैंडल्स धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के प्रचार में अहम कड़ी बने हैं, जिसके कारण युवाओं का रुझान धार्मिक स्थलों की तरफ बढ़ा है। देश में धार्मिक पर्यटन करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। साल 2030 तक यह आंकड़ा 10 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

गौरतलब है कि भारत में 60 फीसद से अधिक पर्यटन धार्मिक और आध्यात्मिक जगहों से जुड़ा है। पर्यटक स्थलों तक आसान पहुंच ने भी अति पर्यटन को हवा दी है। इंटरनेट से लेकर स्मार्टफोन तक तकनीक में नवाचारों ने अनिगनत तरीकों से हमारे जीवन में क्रांति ला दी है, जिसमें यात्रा भी शामिल है। सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण कम देखे जाने वाले स्थल रातों-रात बड़े पैमाने पर पर्यटन के आकर्षण का केंद्र बन गए हैं, जिससे ओवर टूरिज्म के साइड इफेक्ट नजर आने लगे हैं। ओवर टूरिज्म ने दुनिया के कुछ सबसे लोकप्रिय स्थलों के मूल चरित्र को ही बदल दिया है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण भीड़-भाड़ और अव्यवस्थित यातायात, कूड़ा-कचरा, प्रदूषण के चलते स्थानीय संस्कृति व पर्यावरण का ह्रास होता है।

पर्यटकों के कारण स्थानीय स्तर पर भले ही रोजगार बढ़े, पर जीवनझ्रयापन का खर्च इतना बढ़ जाता है कि वहां के स्थानीय निवासी महंगाई से जूझते रहते हैं। यात्री इसलिए आते हैं क्योंकि वे कुछ अलग देखना चाहते हैं और किसी अन्य संस्कृति में अंतर्दृष्टि की तलाश में होते हैं, लेकिन अति पर्यटन से गंतव्य की प्रामाणिकता और आकर्षण खो जाता है तथा एक सांस्कृतिक विभाजन पैदा होता है। यात्रा और पर्यटन के कुछ अनुशासन व सीमाएं होती हैं, लेकिन यात्री जब छुट्टी पर जाते हैं, तो यह उनकी जगह नहीं होती, उनका समुदाय नहीं होता, इसलिए वे अपने स्वभाव से अलग व्यवहार करते हैं। कुछ माह पहले एक आयरिश पर्यटक ब्रुसेल्स में एक पुनर्निर्मित मूर्ति पर चढ़ गया, जिससे 19 हजार डॉलर का नुकसान हुआ। पर्यटकों का इस तरह का अनियंत्रित व्यवहार कई जगहों पर आम-सा हो गया है। अति पर्यटन स्थानीय निवासियों में ज्यादा पर्यटक विरोधी भावनाएं पैदा करता है। किसी गंतव्य पर मौजूदा सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर खुद को शिक्षित करना ही आपको अधिक जागरूक पर्यटक बनाएगा।

गाजा अटैक के बाद इजराइल में सबसे बड़ा प्रदर्शन: बंधकों की रिहाई के लिए सड़कों पर 5 लाख लोग

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में छह बंधकों के शव बरामद होने के बाद इजराइल में गुस्सा भड़क गया है। राजधानी तेल अवीव में रविवार शाम लाखों लोग प्रदर्शन के लिए जुटे। इजराइल में 7 अक्टूबर के हमलों के बाद यह सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के घर के बाहर भी प्रदर्शन हुआ। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक इसमें 3 लाख से भी ज्यादा लोग इकट्ठा हुए। इसके अलावा 2 लाख से ज्यादा लोग अलग-अलग शहर में विरोध प्रदर्शन के लिए जमा हुए। एक संगठन ने इससे भी ज्यादा भीड़ होने का दावा किया। हॉस्टेज एंड मिसिंग फैमिली फोरम ने सीएनएन से कहा कि इजराइल में हुए प्रदर्शन में 7 लाख से ज्यादा लोग जमा हुए। सिर्फ तेल अवीव में 5 लाख से ज्यादा लोग प्रदर्शन के लिए पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने छह शवों के प्रतीक के तौर पर 6 ताबूत रखे थे।

इजराइली जनता बंधकों की रिहाई न होने से नाराज : प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री नेतन्याहू और उनकी सरकार पर बंधकों की रिहाई के लिए ठोस कदम नहीं उठाने का आरोप लगा रहे थे। सीजफायर और बाकी बचे बंधकों की रिहाई की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि अगर ये समझौता हो गया होता तो बंधकों को छुड़ाया जा सकता था। नेतन्याहू राजनीतिक वजहों से समझौता करना नहीं चाहते। रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारी रात भर विरोध प्रदर्शन करते रहे। उन्होंने कई हाईवे को जाम कर दिया। वे 'नाउ-नाउ' (अभी-अभी) के नारे लगा रहे थे। वे जल्द से जल्द हमास के साथ युद्धविराम की मांग कर रहे थे। कई लोग बंधकों के जिंदा वापस लौटने के लिए नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने बंधकों के सम्मान में इजराइली झंडा, पीले रिबन और 6 मारे गए बंधकों से माफी मांगने वाली तख्तियां हाथों में ले रखी थीं।

मजदूर संघ ने देश भर में हड़ताल का आह्वान किया : इस बीच इजराइल के सबसे बड़े मजदूर संघ जनरल फेडरेशन ऑफ लेबर ने सोमवार से देश भर में हड़ताल का आह्वान किया है। स्वास्थ्य, परिवहन और बैंकिंग जैसे क्षेत्रों के 8,00,000 कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यापार संघ ने कहा कि हड़ताल सोमवार सुबह 6 बजे शुरू होगी। इस हड़ताल का मकसद सरकार पर संघर्षविराम के लिए दबाव बढ़ाना है ताकि गाजा में हमास की बंधक बनाए गए शेष लोगों को वापस लाया जा सके। हड़ताल की वजह से इजराइल का सबसे बड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बेन-गुरियन भी बंद रहेगा। हालांकि एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इससे इनकार किया है। 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमास के हमले के बाद मजदूर संघ के यह पहली आम हड़ताल होगी। इससे पहले जून 2023 में भी एक आम हड़ताल हुई थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नेतन्याहू को न्यायिक सुधारों वाली योजना टालनी पड़ी थी।

अपनी ही सरकार से नाराज हुए रक्षा मंत्री : 6 बंधकों के शव मिलने के बाद इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने अपने ही सरकार के खिलाफ हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार बंधकों को मुक्त कराने के बजाए सीमा इलाके पर कब्जा करने को प्राथमिकता दे रही है।

गैलेंट का इशारा मिस्र और गाजा पट्टी से लगे बफर जोन फिलाडेल्फिया कॉरिडोर की तरफ था। 3 महीने पहले इजराइली सेना 14 किमी लंबे इस इलाके पर कब्जा कर लिया था। गैलेंट ने कहा कि हमारे पास अब समय नहीं है। अगर हम इसी तरह काम करते रहे तो बाकी बंधकों को कभी आजाद नहीं करा पाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक हमास फिलाडेल्फिया कॉरिडोर पर इजराइली कब्जे से नाराज है। गैलेंट ने कहा कि बंधकों को रिहा कराना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्हें रिहा कराने के बाद तो हम 8 घंटे के भीतर फिलाडेल्फिया कॉरिडोर पर कब्जा कर सकते हैं।

इजराइली सेना के पहुंचने से पहले बंधकों को मारा : इससे पहले इजराइली सेना ने शुक्रवार रात को गाजा के राफा में हमास की सुरंगों से 6 बंधकों के शव बरामद किए थे। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पाया गया कि गुरुवार और शुक्रवार की सुबह के बीच उनके सिर में बेहद करीब से गोली मारी गई। इजराइली सेना ने बताया कि सैनिकों के वहां पहुंचने से कुछ देर पहले ही हमास ने इन बंधकों को बर्बरता के साथ मार डाला।

संक्षिप्त समाचार

लापता हेलीकॉप्टर में सवार 17 लोगों के मिले शव, सभी यात्रियों के मारे जाने की आशंका

मास्को, एजेंसी। रूस के सुदूर पूर्व में लापता हेलीकॉप्टर पर सवार 22 लोगों में से 17 के शव बरामद कर लिए गए हैं। रूस के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि हेलीकॉप्टर के मलबे का भी पता लगा लिया गया है। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने कहा कि 17 लोगों के शव पाए गए हैं और बचावकर्मी शेष लोगों की तलाश में जुटे हैं। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'आरआईए नोवोस्ती ने आपातकालीन मंत्रालय के हवाले से कहा कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की मौत हो जाने की आशंका है। माना जाता है कि खराब मौसम और खराब दृश्यता के कारण हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने टेलीग्राम पर लिखा, ''हवाई सर्वेक्षण करके लापता हेलीकॉप्टर के मलबे का पता लगाया गया है। यह उस स्थान के निकट 900 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जहां से इससे आखिरी बार संपर्क हुआ था। हेलीकॉप्टर पर सवार यात्रियों या चालक दल के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। रूस की संघीय वायु परिवहन एजेंसी ने इसके पहले एक बयान में कहा था कि एमआई-आठ हेलीकॉप्टर ने शनिवार को कामचटका क्षेत्र में वाचकाजेट्स ज्वालामुखी के करीब उड़ान भरी, लेकिन निर्धारित गंतव्य तक नहीं पहुंचा। इसमें कहा गया है कि उसका मानना है कि विमान में 19 यात्री और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे। एमआई-8 दो इंजन वाला हेलीकॉप्टर है जिसे वर्ष 1960 में बनाया गया था। इसका रूस समेत अन्य देशों में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है।

पाकिस्तान में एमपॉक्स का चौथा मामला सामने आया, मरीज की हालत स्थिर, हवाई अड्डे पर बढ़ाई गई निगरानी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में रविवार को मंकीपॉक्स (एमपॉक्स) के चौथे मामले की पुष्टि की गई। जबकि देश में अब तक एमपॉक्स की संख्या को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है। यह चौथा मामला खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में पाया गया, जहां पहले तीन मामलों की पुष्टि की गई थी। खैबर पख्तूनख्वा के स्वास्थ्य निदेशक डॉक्टर इरशाद अली रोगानी ने बताया, पेशावर हवाई अड्डे पर मेडिकल टीम ने वायरस के लक्षण दिखाने वाले मरीज (चौथा) को पुलिस और सेवा अस्पताल (पीएसएच) भेजा। उन्होने बताया कि अस्पताल में मरीज के घाव के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए, जिसमें एमपॉक्स की पुष्टि हुई। मरीज की हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, सभी मरीज विदेश से लौटे हैं और अभी तक कोई स्थानीय मामला दर्ज नहीं हुआ है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने 19 अगस्त को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के 47 वर्षीय व्यक्ति का मामला दर्ज किया था, जो हाल ही में सऊदी अरब से लौटे थे। वह एमपॉक्स के लक्षणों के कारण पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती हुए थे। अस्पताल के एक अन्य डॉक्टर नसीम अख्तर ने मीडिया को बताया कि मरीज में एमपॉक्स के लक्षण दिखे और उन्हें पीआईएमए में विशेष वार्ड में रखा गया। हालांकि, उनकी उनमें एमपॉक्स के संक्रमण की पुष्टि नहीं की गई थी। शनिवार को कराची में एमपॉक्स के लक्षण दिखाने वाले एक अन्य मरीज को अलग रखा गया। लेकिन बाद में उनमें एमपॉक्स का कोई संक्रमण नहीं पाया गया। पाकिस्तान में अब तक जिन मामलों की पुष्टि की गई है, उनकी संख्या को लेकर अभी भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है। लेकिन खैबर पख्तूनख्वा के अधिकारियों ने हाल ही में पुष्टि की कि देश में कुल चार मामलों की पुष्टि की गई है। पाकिस्तान ने विदेश यात्रा से लौटे मरीजों को देखते हुए हवाई अड्डे पर सख्त स्क्रीनिंग प्रणाली शुरू की है।

आईएसआई की शिकायत करने वाले हाईकोर्ट के जज की डिग्री 40 साल बाद रद्द

कराची, एजेंसी। कराची विवि के सिंडिकेट ने 40 वर्ष बाद इस्लामाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश तारिक महमूद जहांगीरी की डिग्री रद्द कर दी। विश्वविद्यालय ने यह कार्रवाई अनुचित साधन समिति की सिफारिश पर की। जहांगीरी ने सुप्रीम जूडिशियल काउंसिल से मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ शिकायत की थी और कहा था कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) न्यायिक मामलों में हस्तक्षेप करती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि न्यायाधीशों के घरों के बाहर व बाथरूम तक में खुफिया कैमरे लगाए गए हैं। इसकी जानकारी चीफ जस्टिस को दी गई, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। पाकिस्तानी समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, न्यायाधीश की डिग्री रद्द करने की घोषणा शनिवार को तीन थाने की तरफ से सिंडिकेट सदस्य रईज अहमद को कथित तौर पर अवैध हिरासत में लिए जाने के बाद की गई है।

रूस की जासूस मानी जाने वाली व्हेल की मौतः नॉर्वे में शव मिला, डॉल्फिन की तरह इंसानों के साथ खेलती थी

मास्को, एजेंसी। रूस की जासूस मानी जाने वाली सफेद बेलुगा व्हेल ह्वाल्दिमिर की मौत हो गई है। बीबीसी के मुताबिक 31 अगस्त को नॉर्वे के रिसाविका खाड़ी में मछली पकड़ने गए पिता-पुत्र को व्हेल का शव तैरता हुआ मिला। 14 फीट लंबी इस व्हेल की उम्र लगभग 15 साल थी। वजन 1,225 किलो था। इसके शव को क्रेन से निकाला गया। अभी मौत की वजह का पता नहीं चला है मगर आशंका जताई जा रही है कि किसी बड़ी नाव की टक्कर से मौत हुई होगी। हालांकि उसके शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। ह्वाल्दिमिर व्हेल को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इसके बारे में दुनिया को पहली बार 2019 में पता चला था। इसे रूस से 415 किमी दूर नॉर्वे में इंगोया द्वीप के तट पर देखा गया था। बेलुगा व्हेल इस इलाके में नहीं मिलती, इसलिए इस पर नजर रखी जाने लगी। व्हेल को करीब से देखने पर उसके गले में एक पट्टा देखा गया था। शरीर पर कैमरे के साथ मशीनें भी लगी हुई थीं जिस पर रूसी शहर सेंट पीटर्सबर्ग का नाम लिखा हुआ था। रूसी नौसेना को व्हेल को ट्रेनिंग देने के लिए जाना जाता है। यही वजह है कि इसे रूस का जासूसी व्हेल माना जाने लगा। ह्वाल्दिमिर के बारे में पश्चिमी मीडिया में दावा किया गया कि यह जानवरों को जासूस बनाने वाले रूसी प्रोजेक्ट का हिस्सा थी। हालांकि, रूस ने कभी भी इसे नहीं माना। व्हेल को नॉर्वे में ह्वाल कहा जाता है। इसके बाद ह्वाल और रूसी राष्ट्रपति के नाम को मिलाकर इसे सोशल मीडिया पर ह्वाल्दिमिर जासूस व्हेल कहा जाने लगा। बेलुगा व्हेल आम तौर पर ठंडे आर्कटिक महासागर में रहती हैं। लेकिन ह्वाल्डिमिर इंसानों के बीच आसानी से रह लेती थी। वह इंसानों के साथ डॉल्फिन की तरह खेलती थी। शांत स्वभाव की थी ह्वाल्डिमिर, इंसानों के साथ खेलती थी।

ऑस्ट्रेलिया में शक्तिशाली तूफान का कहर, एक महिला की मौत, हजारों घरों की बिजली गुल

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में सोमवार को आए शक्तिशाली तूफान की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को मामले की जानकारी दी। बताया देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में शक्तिशाली तूफान आया था। बारिश के साथ चली तेज हवाओं के कारण विद्युत आपूर्ति भी ठप रही। ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य न्यू साउथ वेल्स के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। बताया कि सोमवार की सुबह खराब मौसम के कारण पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, एक अन्य व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया जिसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार की रात तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण पूरे दक्षिण-पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में काफी नुकसान हुआ। ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले राज्य विक्टोरिया में सोमवार सुबह 8 बजे तक 140,000 से अधिक घरों में बिजली नहीं थी। राज्य के कुछ हिस्सों में रविवार रात 146 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चल रही थी। यही नहीं, राज्य आपातकालीन सेवा को मदद के लिए 1,000 से अधिक कॉल प्राप्त हुए, जिसमें गिरे हुए पेड़ों से संबंधित 800 और नुकसान से संबंधित 200 कॉल आए।

बच्चे स्कूल में नहीं कर सकेंगे फोन का इस्तेमाल, फ्रांस की सरकार ने लिया बड़ा फैसला

पेरिस, एजेंसी। आजकल स्मार्ट डिवाइसेज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। स्मार्टफोन, जो कभी एक लक्जरी आइटम था, अब आम जीवन का हिस्सा बन गया है। जहां स्मार्टफोन ने हमारी जिंदगी को कई मायनों में आसान और सुविधाजनक बना दिया है, वहीं इसके अत्यधिक उपयोग के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग का असर लोगों की सेहत पर गहरा पड़ा है। युवा, बुजुर्ग और बच्चे सभी इस तकनीक के प्रति आकर्षित हैं, और स्मार्टफोन का बढ़ता उपयोग विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे रहा है। लंबे समय तक स्क्रीन पर नजरें गड़ाए रखने से आंखों की समस्याएं, जैसे कि दृष्टि में कमी, और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव देखे जा सकते हैं। इसके अलावा, स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग से नींद की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है, जो स्वास्थ्य समस्याओं का एक और कारण बन सकती है।

बच्चों में स्मार्टफोन की आदत : बच्चों में स्मार्टफोन की आदत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है, जो उनकी सेहत के लिए चिंताजनक हो सकता है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों में शारीरिक गतिविधियों की कमी, सामाजिक कौशल में कमी, और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इस समस्या की गंभीरता को देखते हुए, फ्रांस की सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

फ्रांस की सरकार का कदम : फ्रांस की सरकार ने बच्चों में स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग को नियंत्रित करने के लिए एक नई नीति को लागू करने की योजना बनाई है। इस नीति के तहत, बच्चों को स्मार्टफोन के उपयोग के समय को सीमित करने और इसके नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए सख्त नियम लागू किए जाएंगे। सरकार का उद्देश्य है कि स्मार्टफोन के उपयोग को नियंत्रित करके बच्चों की सेहत और उनके समग्र विकास को सुरक्षित रखा जा सके। नए नियम के अनुसार, 15 साल या उससे कम उम्र के बच्चों को स्कूलों में स्मार्टफोन का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी। इस कदम का उद्देश्य बच्चों के शैक्षणिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना है, साथ ही स्मार्टफोन के नकारात्मक प्रभावों से उन्हें बचाना है।

स्कूल के समय और गतिविधियाँ : यह प्रतिबंध स्कूल के सभी समय और गतिविधियों पर लागू होगा, जिसमें कक्षाओं, खेल कूद, और अन्य अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ शामिल हैं। इसके तहत, छात्रों को स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज का उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी, जिससे कि उनकी पढ़ाई और सामाजिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

प्रेस रिलीज द्वारा दी गई जानकारी : फ्रांस की सरकार ने इस प्रतिबंध की जानकारी एक प्रेस रिलीज के माध्यम से दी है। इस प्रेस रिलीज में स्पष्ट किया गया है कि स्कूलों और कॉलेजों में अब छात्र केवल स्मार्टफोन ही नहीं, बल्कि अन्य इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन डिवाइसेज का भी उपयोग नहीं कर सकेंगे। इसमें टैबलेट्स और अन्य समान उपकरण भी शामिल हैं। यह प्रतिबंध विशेष रूप से 15 साल या उससे कम उम्र के बच्चों पर लागू होगा। इसका उद्देश्य बच्चों को स्मार्टफोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज के अत्यधिक उपयोग से दूर रखना है, जिससे उनकी पढ़ाई और सामाजिक संपर्क पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। हालांकि, कुछ विशेष परिस्थितियों में जैसे कि मेडिकल या हेल्थ कंडीशन्स वाले छात्रों के लिए यह नियम कुछ लचीलापन प्रदान करता है। यदि किसी छात्र को चिकित्सा या स्वास्थ्य संबंधी कारणों से स्मार्टफोन की आवश्यकता है, तो उसे मेडिकल डिवाइसेज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। मेडिकल या हेल्थ कंडीशन्स के आधार पर स्मार्टफोन के उपयोग की अनुमति मिलने के लिए, संबंधित स्कूल या संस्थान को स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित करना होगा।

यूक्रेन का रूस पर 150 से अधिक ड्रोन से हमला: मॉस्को की ऑयल रिफाइनरी को निशाना बनाया

कीव/मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन ने शनिवार रात को रूस पर 150 से अधिक ड्रोन से हमला किया। ढाई साल से जारी रूस-यूक्रेन जंग में पहली बार यूक्रेन ने रूस के खिलाफ इतनी ज्यादा संख्या में ड्रोन से हमला किया है। यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर भी ड्रोन हमले किए। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के मुताबिक शहर पर 11 ड्रोन से हमला किया गया। इन हमलों में एक ऑयल रिफाइनरी और एक टेक्निकल रूम को निशाना बनाया गया। ऑयल रिफाइनरी पर हुए हमले के बाद उसमें विस्फोट हो गया। इसके बाद गहरा धुआं उठता नजर आया। रूसी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेन ने 15 प्रांतों में 158 ड्रोन से हमला किया था। उन्होंने कहा कि रूसी एयर डिफेंस ने लगभग सभी ड्रोन को इंटरसेप्ट कर मार गिराया। इस हमले में किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। अभी तक यूक्रेन ने हमले को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

रूस ने खारकीव पर मिसाइलें और गाइडेड बम दागे : यूक्रेनी हमले के बाद रूस ने रविवार को यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों और गाइडेड बमों की बारिश कर दी। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि इन हमलों में कम से कम 47 लोग घायल हुए हैं। इसमें 5 बच्चे भी हैं। हमले में घायल होने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। रूसी हमले में खारकीव की 10 जगहों पर विस्फोट हुए है। 48 घंटों के अंदर ये रूस का दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले शुक्रवार को हुए हमले में यूक्रेन के 6 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें एक 14 साल की बच्ची भी थी। वहीं 59 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस हमले में एक 12 मंजिला आवासीय इमारत और एक बच्चों का पार्क नष्ट हो गया था। 13 लाख की आबादी वाला ये शहर रूस बॉर्डर से मात्र 25 मील दूर है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अब रूस में और अंदर घुसकर हमले करना चाहते हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, इसमें मदद के लिए वे अमेरिका पर दबाव भी बना रहे हैं। जेलेंस्की ने शनिवार को एक वीडियो जारी कर बताया कि 30 अगस्त को रूस ने खारकीव पर एयरस्ट्राइक की, जिसमें 6 यूक्रेनियों की मौत हो गई। वहीं 97 लोग घायल हुए।

पाकिस्तान में ओपनिंग डे पर शॉपिंग मॉल में लूट: ड्रीम बाजार की ओपनिंग में पहुंचे हजारों लोग

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में शुक्रवार को लोगों ने ओपनिंग के दिन ही मॉल में लूट कर डाली। पाकिस्तानी न्यूज चैनल ऋङ्ग न्यूज के मुताबिक मॉल ने ओपनिंग डे पर खरीदी में भारी छूट का ऐलान किया था। कराची के कराची के गुलिस्तान -ए-जौहर में खुले इस मॉल का नाम ड्रीम बाजार है।

भारी डिस्काउंट के चलते मॉल के बाहर हजारों लोगों की भीड़ इक्ठ्ठा हो गई थी। इस दौरान कुछ लोग लाठी और डंडे के साथ मॉल में दाखिल हो गए। इसके बाद मॉल में अफरा-तफरी मच गई। अफरा-तफरी के कारण मॉल में अराजकता और तोड़-फोड़ की स्थिति बन गई। इस बीच लोगों ने मॉल में लूटपाट शुरु कर दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मॉल ने ओपनिंग डे पर ज्यादा लोगों को बुलाने के लिए सोशल मीडिया पर विज्ञापन दिए थे। ड्रीम बाजार कपड़ों और घरेलू सामान का शॉपिंग मॉल है। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं।

लूटपाट की वजह से ट्रैफिक रूका : मॉल में लूटपाट और अराजकता के बाद का मंजर इस कदर भयावह हो गया कि करांची में ट्रैफिक ठप्प पड़ गया। मॉल के बाहर से आई तस्वीरों में हजारों लोग फंसे दिखाई दिए। मौके पर मौजूद लोगों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि लूटपाट के कारण मॉल को काफी नुकसान पहुंचा है। लोगों ने बताया कि मौके पर पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थे। घटना के बाद कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस राह चलते लोगों पर हमले कर रही थी। स्थानीय मीडिया से बात करते हुए मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि मॉल की ऑपनिंग प्लानिंग के मुताबिक नहीं हो पाई, जिसके चलते ऐसी स्थिति बनी। एआरवाय न्यूज के मुताबिक मॉल संचालकों ने भीड़ को काबू में करने के लिए दरवाजे बंद कर दिए थे। लेकिन लोगों ने लाठी और डंडों के इस्तेमाल से कांच का गेट तोड़ दिया। इसके बाद भीड़ मॉल में घुस गई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि यह सब आधे घंटे के भीतर हुआ। उन्होंने दोपहर 3 बजे दुकान खोली और 330 बजे तक सारा सामान चोरी हो चुका था। इस अफरात-तफरी के कारण कराची के जौहर और राबिया सिटी इलाकों में भयंकर ट्रैफिक जाम लग गया। वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

बंधकों की हत्या पर गुस्से में वैश्विक नेता, बाइडन बोले- हमास को चुकानी होगी इसकी कीमत

वाशिंगटन, एजेंसी। गाजा में छह इस्राइली बंधकों की हत्या पर न सिर्फ इस्राइल के लोगों में गुस्सा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर इसकी निंदा की जा रही है। कई वैश्विक नेताओं ने बंधकों की नृशंस हत्या पर दुख जताया है। साथ ही उन्होंने बंधकों की शीघ्र रिहाई और युद्धविराम समझौते पर सभी पक्षों से सहमति बनाने की अपील भी की है। वैश्विक नेताओं के ये बयान तब आए हैं जब एक दिन पहले रविवार को गाजा के राफा में एक सुरंग से 7 अक्टूबर को हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों में से छह के शव बरामद किए गए थे।

वैश्विक नेताओं ने जताया हत्याओं पर दुख : इन लोगों की हत्या को लेकर ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि यह जानना विनाशकारी है कि हमास द्वारा छह इस्राइली बंधकों को मार दिया गया, आस्ट्रेलिया के लोग सभी के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि हर निर्दोष जीवन मायने रखता है। वहीं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गाजा में हमास द्वारा बंधकों की हत्या को पर आक्रोश जताया। साथ ही उन्होंने तत्काल युद्धविराम और सभी बंधकों को रिहा करने का आह्वान किया। वहीं, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा कि हमास द्वारा गाजा में छह बंधकों की भयावह और संवेदनहीन हत्या से मैं पूरी तरह स्तब्ध हूं। इस भयानक समय में मेरी संवेदनाएं उनके प्रियजनों के साथ हैं। हमास को अब सभी बंधकों को रिहा करना होगा, और सभी पक्षों को तुरंत युद्धविराम समझौते पर सहमत होना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- हमास को करना होगा भुगतान : अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इन हत्याओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह इससे निराश और क्रोधित हैं। उन्होंने कहा कि हम इसकी पुष्टि करते हैं कि एक शव अमेरिकी नागरिक हेरश गोल्डबर्ग पोलिन का है। वह उन निर्दोष लोगों में से एक थे, जिन पर पर सात अक्तूबर को इस्राइल में शांति के लिए एक संगीत समारोह में भाग लेने के दौरान बेरहमी से हमला किया गया था। उसने हमास के क्रूर नरसंहार के दौरान दोस्तों और अजनबियों की मदद करते हुए अपना हाथ खो दिया था। बाइडन ने कहा कि मैंने हेरश को सुरक्षित उनके पास लाने के लिए अथक प्रयास किया है और उनकी मौत की खबर से दुखी हूं। हमास नेताओं को इन अपराधों के लिए भुगतान करना होगा। हम शेष बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए समझौते के लिए चौबीसों घंटे काम करते रहेंगें। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने जोर देकर कहा कि बंधकों की हत्या हमास की दुष्टता की पुष्टि करती है। उन्होंने सभी बंधकों की तत्काल रिहाई का आह्वान किया।

सुरंग से बरामद हुए थे छह शव : बता दें कि इस्राइली सुरक्षा बलों ने गाजा से छह बंधकों के शव बरामद किए थे। जिन बंधकों के शव बरामद हुए हैं, उनमें एक अमेरिकी नागरिक हेरश गोल्डबर्ग पोलिन भी शामिल है। इस्राइली सेना ने बताया कि बंधकों के शव गाजा के शहर राफा में एक टनल से बरामद किए गए हैं। मृतकों की पहचान एडेन यरुशलमी (24), कार्मेल गाट (39), अलमोग सरुसी (26), एलेक्स लुबनोव (32) और ओरी डानिनो (25) शामिल हैं। इन लोगों के बारे में इस्राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी थी। बंधकों की हत्या उनके शव परीक्षण से 48 से 72 घंटे पहले यानी गुरुवार से शुक्रवार सुबह के बीच की गई थी। आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने बंधकों की हत्या के बारे में बताया कि सैनिकों के पहुंचने से कुछ समय पहले हमास ने छह पीड़ितों की क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई।

झुकना नहीं, रोना नहीं, टूटना नहीं रिया चक्रवर्ती

हाल ही में काफी समय बाद एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद अपने जेल के एक्सपीरिएंस के बारे में खुलकर बात की और बताया कि उन्हें कैसा लगता था। रिया चक्रवर्ती ने बताया कि कैसे वो रातों-रात देश की जनता की दुश्मन बन गईं। उन्होंने बताया कि कैसे मीडिया ने उन्हें ट्रोल किया, कैसे-कैसे नामों से बुलाया जाता था। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा- झुकना नहीं, रोना नहीं, टूटना नहीं। आपको ये करना ही होगा। मुझे याद है कि मैंने खुद को आईने में देखा और खुद से पूछा- तुम डरी हुई हो, है ना? ऐसा लगा जैसे आईने ने हां कहा हो। हर दिन इनवेस्टिगेशन होती थी, मेरी बिल्डिंग के नीचे लगातार मीडिया की भीड़ जमा होती थी, लोगों की भीड़ जमा होती थी और इनवेस्टिगेशन तक पहुंचने के लिए भी बहुत ताकत की जरूरत होती थी क्योंकि मुझे हमेशा डर लगता था कि रास्ते में मुझे कुछ हो जाएगा। एक्ट्रेस ने आगे बताया- जब मैं जेल से बाहर आई, तो मुझे पता था कि मैं जेल से बाहर निकलने के बाद वैसी नहीं रहूंगी, जैसी मैं जेल के अंदर जाने से पहले थी। जेल एक अलग दुनिया है, क्योंकि यहां कोई सोसायटी नहीं है। यहां आप हर दिन जिंदा रहने के लिए जद्दोजहद करते हो। हर दिन स्ट्रगल करते हो और खुद को जिंदा रखने की कोशिश करते हो। वहां एक-एक दिन एक साल के जैसा लगता था। रिया ने कहा, जेल में हर कोई सिर्फ एक नंबर है और वो जगह जिंदा रहने की एक परीक्षा है। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें यह भी लगा कि उनका परिवार खत्म हो गया है और आस-पास के सभी लोग अब उनके दोस्त नहीं रहे। रिया ने आगे कहा, मैंने नहीं सोचा था कि जो कुछ हुआ उसके लिए मैं माफ कर दूंगी। लेकिन, यह आसान तरीका बन गया क्योंकि मैं लंबे समय से बहुत गुस्से में थी। मेरे इतने गुस्से ने मुझे पेट से जुड़ी कई प्रॉब्लम और एसिडिटी दे दी। मैं लगभग तीन सालों तक एसिडिटी से बहुत बुरी तरह परेशान रही। मैंने सभी को माफ नहीं किया है। कुछ लोग अब भी मेरे जहन में हैं और मैं उन्हें माफ नहीं कर सकती। बता दें कि एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती काफी विवादों में आई थी। ड्रग्स केस में नाम आने के बाद उन्हें जेल की हवा खानी पड़ी, लोगों के ताने सुनने पड़े, ट्रोलिंग होना पड़ा और सोशल मीडिया पर हेट कमेंट्स तक का सामना करना पड़ा।

अभिनेत्रियों के न्यूड सीन को रिकॉर्ड करने छिपाए जाते हैं कैमरे

फिल्म 'नसीब अपना-अपना' में ऋषि कपूर के साथ काम कर चुकीं मशहूर साउथ इंडियन एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार (62) ने एक मलयालम फिल्म लोकेशन पर आपबीती के बारे में चौंकाने वाला खुलासा किया है। राधिका ने बताया कि फिल्म लोकेशन पर अभिनेत्रियों के न्यूड सीन को रिकॉर्ड करने के लिए कैमरे छिपाए जाते हैं।

गुप्त तरीके से पहले इस तरह की चीजों को रिकॉर्ड किया जाता है और उसके बाद फिल्म के सेट पर ही पुरुष उन्हें देखते हैं और मजा लेते हैं। इस तरह की हरकतों से एक्ट्रेस परेशान हो गई थीं। राधिका ने कहा कि मैंने पर्सनली लोगों को एक ही फोन को यूज करते देखा है। फिल्म के सेट पर लोग इसका मजा लेते हैं। मैं डर गई थी और वेनेटी वैन में अपने कपड़े बदले बिना होटल के कमरे में चली गईं। वे लोग वेनेटी वैन में एक कैमरा लगा देते हैं, जो अभिनेत्रियों की जानकारी या उनकी मर्जी के बिना उनके न्यूड सीन को रिकॉर्ड करता है। हालांकि जब मुझे इसका पता लगा, तो मैंने फिर कभी वेनेटी में कपड़े नहीं बदले।

जब राधिका से इस मामले में आरोपी अभिनेता दिलीप के साथ काम करने के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में उनके जैसे लोगों के साथ काम करना पड़ता है और साथ ही उनकी तुलना राजनेताओं से की। बता दें कि राधिका ने तमिल और तेलुगु इंडस्ट्री के साथ बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में भी काम किया है। मालूम हो कि जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद साउथ फिल्म इंडस्ट्री में तूफान आया हुआ है। आएदिन बड़े-बड़े स्टार पर आरोप लग रहे हैं। मीटू जैसे इस अभियान ने हर किसी को हिलाकर रख दिया।

नेपोटिज्म कभी ना खत्म होने वाली बहस है: कृतिका कामरा

बॉलीवुड अभिनेत्री कृतिका कामरा ने नेपोटिज्म को लेकर हा कि यह कभी न खत्म होने वाली बहस है। अभिनेत्री कृतिका कामरा ने कहा, मैंने हमेशा अपने काम पर विश्वास किया है। मैं किसी कनेक्शन या पारिवारिक संबंधों के कारण यहां नहीं पहुंची। मुझे जो भी अवसर मिले हैं, वे वर्षों की कड़ी मेहनत और मेरी दृढ़ता का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसकी बहस में पड़ना सही नहीं है, क्योंकि आखिरी में दर्शक ही होते हैं जो एक कलाकार की किस्मत का फैसला करते हैं। उने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना सही है, क्योंकि अंत में दर्शक ही होते हैं जो आपकी किस्मत का फैसला करते हैं। मैं उन सभी भूमिकाओं के लिए आभारी हूं जो मुझे मिली हैं, और यह इस बात का प्रमाण है कि आप इस उद्योग में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में भी सफल हो सकते हैं। वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता नागराज मंजुले की मटका किंग में दिखाई देंगी। मटका किंग मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की जटिल दुनिया को दिखाता है। सीरीज में विजय वर्मा मटका किंग की मुख्य भूमिका में हैं। कृतिका ने कितनी मोहब्बत है शो में आरोही शर्मा की भूमिका निभाकर सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्हें कुछ तो लोग कहेंगे, रिपोर्टर्स और प्रेम या पहेली – चंद्रकांता जैसे शो में देखा गया।

अभिनेत्री ने डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 7 में भी भाग लिया है और तांडव और बंबई मेरी जान जैसी सीरीज में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। 35 वर्षीय अभिनेत्री ने 2018 में रिलीज हुई मित्रों से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। वो प्रतीक गांधी के साथ फॉर योर आईज ओनली में भी नजर आएंगी। बता दें कि अभिनेत्री को हाल ही में थ्रिलर सीरीज ग्यारह ग्यारह में देखा गया था। यह सीरीज कोरियाई शो सिग्नल का रूपांतरण है। इस शो में राघव जुयाल, धैर्य करवा और आकाश दीक्षित भी हैं।

जीनत अमान ने सोशल मीडिया पर अपनी पुरानी तस्वीर शेयर की

बॉलीवुड अभिनेत्री जीनत अमान ने सोशल मीडिया पर अपनी पुरानी तस्वीर शेयर की है। जीनत अमान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी पुरानी तस्वीर शेयर कर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। जीनत अमान ने एक पुरानी तस्वीर शेयर कर लिखा, 'इस सोमवार, सार्थक रिश्तों पर एक ध्यान'। जीनत अमान ने पोस्ट में कहा, उनके बहुत अधिक सार्थक रिश्ते नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा अपने निजी जीवन को देखने के बाद मुझे एहसास हुआ है कि सार्थक रिश्तों का आना मुश्किल है, क्योंकि मेरा सार्वजनिक व्यक्तित्व हमेशा मेरे सच्चे स्वत्व पर हावी रहा है। उन्होंने अपने पोस्ट में पूछा एक सार्थक रिश्ते का पैमाना क्या है।अफसोस की बात है कि मुझे इस क्षेत्र में सीमित सफलता मिली है। आशा की किरण यह है कि इसने मुझे अपने उन सार्थक रिश्तों को और अधिक संजोने के लिए प्रेरित किया है। शायद मैंने आपको इस पोस्ट से बोर कर दिया है, लेकिन मेरी इच्छा है कि आप में से प्रत्येक को अपने जीवन में रोमांटिक और सार्थक रिश्ते मिलें।

एक्टर को पर्दे पर निभाए किरदारों के आधार पर नहीं आंका जा सकता

अभिनेत्री सारा खान का कहना है कि अभिनेताओं को पर्दे पर निभाए किरदारों के आधार पर नहीं आंका जा सकता है। सारा मानती है कि उन्हें टाइपकास्ट होने की भी चिंता नहीं है। सारा खान इन दिनों छठी मैया की बिटिया में दिख रही हैं। अपने नए किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि लोग अब अभिनेताओं को केवल उनकी स्क्रीन पर निभाई भूमिकाओं के आधार पर आंकते हैं। सोशल मीडिया अब इतना प्रचलित है कि लोग अभिनेताओं के बारे में उनकी प्रोफाइल के जरिए जान सकते हैं और देख सकते हैं कि वे अपने निभाए पात्रों से परे कैसे दिखते हैं? इसलिए मैं टाइपकास्ट होने को लेकर फिक्रमंद नहीं हूं क्योंकि इससे लोगों को हमें बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है और करियर में नए अवसर मिलते हैं। सारा खान ने कहा कि कई साल पहले जब अभिनेता टाइपकास्ट होने की चिंता करते थे। लेकिन अब यह चिंता का विषय नहीं है। सोशल मीडिया दर्शकों और निर्माताओं को अभिनेताओं की भूमिकाओं से परे उनकी प्रतिभा को देखने का मौका देता है, जिससे हमें अन्य कौशल दिखाने और पिछले किरदारों के आधार पर किसी भी पूर्वाग्रह को बदलने का मौका मिलता है। सारा खान छठी मैया की बिटिया में देवी की भूमिका निभा रही हैं। शो के बारे में सारा ने कहा कि जब भी मैं कोई किरदार निभाती हूं, तो मैं तय करती हूं कि वह किरदार कितना अहम है। किसी भूमिका को निभाने के लिए एक्टर के लिए यह जानना जरूरी होता है कि उसे क्या एक्सपोजर मिलेगा। जब मैंने देखा कि किरदार के कई रंग है तो लगा इसमें संभावनाएं अपार हैं। सारा ने 2007 में सपना बाबुल का...बिदाई से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें शो प्रीत से बांधी ये डोरी राम मिलाई जोड़ी में देखा गया, जहां उन्होंने प्रियल गोर की जगह ली। 2013 में जुनून-ऐसी नफरत तो कैसा इश्क में दिखीं। सारा खान ने ससुराल सिमर का, वी द सीरियल, प्यार तूने क्या किया, एनकाउंटर, तुझसे, हाय राब्ता, भाग्यलक्ष्मी, सौभाग्यलक्ष्मी और जाना ना दिल से दूर जैसे शो में अहम भूमिकाएं निभाईं हैं और लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है।

सलमान खान को लेकर फ़िल्म बनाएंगे एटली

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने निर्देशक एटली, बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को लेकर फ़िल्म बना सकते हैं। एटली ने शाहरुख़ खान को लेकर सुपरहिट फ़िल्म जवान बनाई है।एटली, अब सलमान खान को लेकर फ़िल्म बना सकते हैं। कहा जा रहा है कि दो हीरो वाली फिल्म की स्टोरीलाइन और आइडिया सलमान खान को काफी पसंद आया था और उन्होंने एटली से इसकी स्क्रिप्ट तैयार करके लाने की बात कही थी। कहा जा रहा है कि सलमान को फिल्म की पटकथा बहुत पसंद आई है और उन्होंने इसमें काम करने के लिए हामी भर दी है। सलमान खुद इस फिल्म के लिए कमल हासन से बात कर रहे हैं। यह एटली की छठी फिल्म है। इसलिए इसे ए6 कहा जा रहा है। निर्देशक एटली इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम अक्तूबर के महीने से शुरू करना चाहते हैं। निर्माताओं का प्लान है कि पहले इस फिल्म का एक अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया जाए। उसके बाद से फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से शुरू की जाए। कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी में शुरू हो सकती है।

पुरस्कार से सम्मानित होना बड़ी बात: आयुष्मान

फिक्की यंग लीडर्स अवॉर्ड्स 2024 में युथ आइकॉन ऑफ इंडिया के रूप में सम्मानित होने पर, बॉलीवुड सुपरस्टार आयुष्मान खुराना ने कहा, युथ आइकॉन ऑफ इंडिया के रूप में सम्मानित होना मेरे लिए एक बड़ी बात है। मुझे लगता है कि मेरी फिल्मों की पसंद ने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और समाज को बेहतर बनाने की मेरी मंशा को आगे बढ़ाया है। एक्टर ने आगे कहा, अपने सिनेमा के माध्यम से मैं एक उभरते हुए, गतिशील और बढ़ते हुए नए भारत की आकांक्षाओं, महत्वाकांक्षाओं और मूल्यों को चित्रित करना और उन्हें प्रतिबिंबित करना चाहता हूं। समावेशी स्क्रिप्ट और विषयों का चयन करके और क्रांतिकारी किरदार निभाकर, मेरा हमेशा से यह प्रयास रहा है कि मैं अपने देश के लोगों से जुड़ सकूं और हर मौके पर यथास्थिति को चुनौती दूं। अपने ब्रांड, फिल्मों और संगीत के साथ इस यात्रा के माध्यम से, मैं लोगों को मुस्कुराने, उनके दिलों में खुशी भरने, उन्हें एकजुट करने और दुनिया को यह बताने की कोशिश करता हूं कि हमारा देश, हमारा युवा कितना तेजस्वी है।

बता दें कि आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के जाने माने एक्टर्स में से एक हैं। उन्होंने इस साल एक और उपलब्धि हासिल की है, उन्होंने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के यंग लीडर्स अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया। उनके साथ ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा भी इस सम्मान से पुरस्कृत किया गया है। आयुष्मान और नीरज दोनों ही दुनिया भर के हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जिन्होंने यह साबित किया है कि मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

इम्तियाज अली को नहीं मिल रही थी अभिनेत्री, बंद कर दी फिल्म

इम्तियाज अली द्वारा निर्मित लैला मजनू फिर रिलीज के बाद हिट हो गई ओर अब चर्चा में है, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि त्रिप्ति डिमरी से जुड़ी कास्टिंग के चलते इस फिल्म को बंद कर दिया गया था। अविनाश तिवारी और तृप्ति डिमरी की 2018 की फिल्म लैला मजनू पिछले कुछ सालों में एक कल्ट क्लासिक के रूप में उभरी और दोनों की केमिस्ट्री आज भी सबसे बेहतरीन जोड़ियों में से एक है। इम्तियाज अली द्वारा निर्मित इस फिल्म को कुछ समय के लिए रोक दिया गया था क्योंकि निर्माता अपनी आदर्श महिला लीड नहीं ढूंढ पाए थे?

लैला मजनू की कास्टिंग के दौरान मुकेश छाबड़ा के साथ उनकी कास्टिंग कंपनी में काम कर रहीं आस्था अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि लैला को खोजने में उन्हें कितने पापड़ बेलने पड़े। अरोड़ा ने कहा कि मुझे एक ऐसी खूबसूरत और आकर्षक लड़की की तलाश में बहुत मुश्किल समय का सामना करना पड़ा, जो अभिनय कर सके। कास्टिंग में इसे अक्सर बहुत मुश्किल ब्रीफ माना जाता है।

उन्होंने बताया कि लैला को खोजने के लिए टीम ने कई लड़कियों देखा, जिनमें लोकप्रिय फिल्म और टीवी कलाकार, फेमिना मिस इंडिया और देश भर के कई कॉलेज की लड़िकयां या महिलाएं शामिल थी। आस्था ने बताया कि सही लड़की न मिलने की वजह से 2016 में लैला मजनू को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा था, लेकिन एक साल बाद फिर तलाश शुरू हुई।

अरोड़ा ने कहा कि हमने वापस टेस्ट लेने शुरू किए और वह दिन था जब मैंने सलोनी नाम की एक अभिनेत्री को बुलाया और तृप्ति उसकी दोस्त थी जो उसके साथ थी और मुझे लगा कि बस यही है। मैंने तृप्ति को देखा और इतने महीनों में पहली बार मुझे लगा कि यह वही लड़की है जो लैला के रोक में फिट रहेगी। तृप्ति डिमरी का ऑडिशन लिया गया और उनका टेस्ट निर्देशक और प्रोड्यूसर को भेजा गया और उन्हें फाइनल कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि एनिमल एक्ट्रेस ने आस्था को बताया कि उन्होंने एक बार दिल्ली के कास्टिंग ऑफिस में अपना ऑडिशन दिया था और शायद उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया, क्योंकि फिल्म बंद हो गई थी।

‘सिक्सर किंग’ प्रियांश आर्य ने अपने पसंदीदा क्रिकेटर का किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उभरते सितारे प्रियांश आर्य ने हाल ही में दिल्ली प्रीमियर लीग में एक ओवर में छह छक्के जड़कर सुर्खियां बटोरीं। 18 नंबर की जर्सी पहनने वाले आर्य ने विराट कोहली को अपना पसंदीदा खिलाड़ी और अपना आदर्श बताया। भारत के इस स्टार बल्लेबाज ने हमेशा युवा पीढ़ी के क्रिकेटरों को प्रभावित किया है, जो उनकी तरह भारतीय क्रिकेट में योगदान देना चाहते हैं। आर्य भी इससे अलग नहीं थे, उन्होंने कोहली की आक्रामक शैली के प्रति अपनी प्रशंसा और उसी शैली को अपनाने के अपने लक्ष्य के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने की इच्छा भी जताई।

प्रियांश ने कहा, ‘विराट कोहली मेरे पसंदीदा हैं, मैं आरसीबी के लिए खेलना चाहता हूं। मेरी पसंदीदा टीम आरसीबी है, मैं विराट कोहली का बहुत मुरीद हूं, मुझे उनकी आक्रामकता पसंद है। मुझे आक्रामक क्रिकेट खेलना भी पसंद है। वह मेरे आदर्श हैं।’ 23 वर्षीय प्रियांश आरसीबी को अपना पहला आईपीएल खिताब दिलाने में योगदान देना चाहते थे क्योंकि यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी 17 साल से अधिक समय से फ्रेंचाइजी से दूर थी।

प्रियांश ने एक ओवर में छह छक्के लगाए

प्रियांश ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से डीपीएल में तूफान मचा दिया और वर्तमान में नौ पारियों में 602 रन बनाकर शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। वह नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए खेलते हुए एक ओवर में 6 छक्के लगाने वाले दुर्लभ क्लब में नए खिलाड़ी बन गए। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 12वें ओवर में बाएं हाथ के स्पिनर मनन भारद्वाज पर छक्कों की बौछार कर दी। उन्होंने टूर्नामेंट में अपना दूसरा शतक बनाया और 50 गेंदों पर 120 रन बनाए।

उन्होंने खुलासा किया, ‘मेरे दिमाग में यह बात थी कि अगर कोई बाएं हाथ का स्पिनर गेंदबाजी करने आता है, तो मैं उस पर आक्रमण करूंगा। चौथे छक्के के बाद मुझे विश्वास होने लगा कि मैं छह छक्के लगा सकता हूं और इसके लिए मैं तैयार हूं। आयुष ने मेरा समर्थन किया और मुझे आगे बढ़ने के लिए कहा।’

रिकॉर्ड तोड़ने वाली साझेदारी

दिल्ली सुपरस्टार के कप्तान आयुष बदोनी उनके साथी थे जिन्होंने 55 गेंदों पर 165 रन बनाए और आर्य के साथ 286 रनों की रिकॉर्ड-तोड़ साझेदारी की। उनकी साझेदारी की मदद से टीम ने बोर्ड पर 308 रन बनाए और जवाब में उत्तरी दिल्ली केवल 196 रन ही बना सकी। उन्होंने कहा, ‘बदोनी काफी शांत हैं और ज्यादा बात नहीं करते, बस हमें खुद को अभिव्यक्त करने के लिए कहते हैं। टीम का माहौल शांत है, कोच नकारात्मक के बजाय सकारात्मक चीजों के बारे में बात करते हैं। मानसिकता ट्रॉफी जीतने की है।’

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की तारीखों का ऐलान, लॉर्ड्स में खेला जाएगा खिताबी मुकाबला

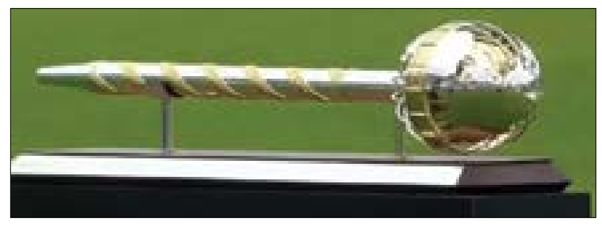

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को घोषणा की कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के तीसरे चक्र का फाइनल अगले साल 11 से 15 जून के बीच प्रतिष्ठित लॉर्ड्स में खेला जाएगा। आईसीसी ने इस मैच के लिए 16 जून को रिजर्व दिवस रखा है।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्योफ एलार्डिस ने एक बयान में कहा, ‘आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल क्रिकेट कैलेंडर में सबसे अहम मुकाबले में से एक बन गया है और हमें 2025 सत्र की तारीखों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।’ लॉर्ड्स पहली बार डब्ल्यूटीसी फाइनल की मेजबानी करेगा। इससे पहले साउथेम्प्टन (2021) और ओवल (2023) पिछले दो खिताबी मुकाबलों की मेजबानी की थी। भारत उन दोनों फाइनल मैचों का हिस्सा था। टीम को 2021 में न्यूजीलैंड जबकि पिछले साल ऑस्ट्रेलिया ने हराया था।

रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से आगे तालिका में शीर्ष स्थान पर है। डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत करने के इरादे से भारत इस साल के अंत में पांच मैचों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलियाई टीम से भिड़ेगा। न्यूजीलैंड (तीसरे), इंग्लैंड (चौथे), दक्षिण अफ्रीका (पांचवें) और बांग्लादेश (छठे) और श्रीलंका (सातवें) स्थान के साथ फाइनल में पहुंचने की दौड़ में है। पाकिस्तान को हालांकि बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में 0-2 से शिकस्त झेलने के बाद बड़ी निराशा का सामना करना पड़ा है। इस तालिका में पाकिस्तान आठवें और वेस्टइंडीज सबसे नीचे नौवें पायदान पर है।

अब भारत बनाम बांग्लादेश के बीच टक्कर, कप्तान नजमुल शंटो ने रोहित शर्मा को चेताया, जानें क्या कहा?

स्पोर्ट्स डेस्क । पाकिस्तान को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से रौंदने के बाद बांग्लादेश टीम का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। अब 19 सितंबर से बांग्लादेश को भारत में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है और बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शंटो को उम्मीद है कि उनकी टीम भारत में दमदार प्रदर्शन करेगी।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 10 विकेट से अपने नाम किया था। दूसरा टेस्ट मैच 6 विकेट से जीत लिया। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम पर खेले गए दोनों मैच में पाकिस्तान ने क्रिकेट के तीनों डिपार्टमेंट में बांग्लादेश से बेकार प्रदर्शन किया और इसका असर सीरीज के रिजल्ट पर भी साफ नजर आया।

पाकिस्तान के खिलाफ ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीतने के बाद पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में नजमुल ने कहा कि, ये जीत हमारे लिए बहुत मायने रखती है, जिससे शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। सच में बहुत खुश हूं। हम यहां जीत की तलाश में थे, और इस बात से बहुत खुश हूं कि सबने अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह से निभाया

शंटो ने आगे कहा कि, हमारे पेसर्स का वर्क एथिक्स बेहतरा था यही वजह है कि हमें ऐसा रिजल्ट मिला। हर कोई खुद से ईमानदार था और सबको जीत चाहिए थी।

भारत के खिलाफ सीरीज को लेकर शंटो ने कहा कि, अगली सीरीज हमारे लिए बहुत ज्यादा अहम है। इस जीत से हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। मुशफिकुर रहीम और शाकिब अल हसन को काफी ज्यादा अनुभव है, भारत में ये दोनों बहुत अहम होंगे। मेहंदी हसन मिराज ने जिस तरह से गेंदबाजी की और पांच विकेट चटकाए वह काफी ज्यादा इम्प्रेसिव था। उम्मीद है कि भारत के खिलाफ भी ऐसा करेगा।

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज भारतीय टीम जीतेगी : गावस्कर

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बोर्डर के नाम से होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज 2025 को लेकर कई दिग्गजों ने प्रतिक्रियाएं दी हैं। अब इसी को लेकर गावस्कर ने कहा है कि ये सीरीज रोमांचक रहेगी पर भारतीय टीम इसे 3-1 से जीतेगी। गावस्कर ने कहा कि, ये निश्चित रूप से एक रोमांचक सीरीज होगी, क्योंकि दोनों टीमों के पास बेहतरीन प्रतिभाएं है और ये भी दिखाएगा कि टेस्ट मैच क्रिकेट किस कारण से सर्वश्रेष्ठ प्रारूप है। मेरी भविष्यवाणी है कि भारतीय

टीम इसमें 3-1 से जीतेगी। भारतीय टीम ने इससे पहले पिछली दो टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया में जीती थी। इसके अलावा पिछले एक दशक में भारत ने चार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉपी जीती हैं। जिससे के कारण भी मेजबान टीम पर मनोवैज्ञानिक दबाव होगा।

गावस्कर ने ये भी बताया है कि ऑस्ट्रेलिया की कमजोरी क्या है। उन्होंने साथ ही कहा कि डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद उनकी सलामी जोड़ी को लेकर समस्याएं बढ़ गयी हैं और मध्यक्रम भी अभी लय में नजर नहीं आ रहा रहा है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार इसके बाद भी ऑस्ट्रेलियाई टीम की चुनौती को कमजोर नहीं माना जा सकता है क्योंकि उसे अपने घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा।

द्रविड़ के बेटे समित इस कारण नहीं खेल पायेंगे अंडर-19 विश्वकप

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को अंडर-19 क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। अब उनके पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का अवसर है। समित को इस साल की शुरुआत में कर्नाटक की ओर से कूच बिहार ट्रॉफी में अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में जगह मिली थी। इसके बाद भी उनके अंडर 19 विश्व कप 2026 में खेलने की संभावना नहीं है। इसका कारण है कि समित इसी महीने बाद 19वां जन्मदिन मनाएंगे। ऐसे में जब बीसीसीआई के चयनकर्ता 2026 में विश्वकप के लिए अंडर-19 टीम का चयन करेंगे तब तक उनकी उम्र लगभग 21 वर्ष हो जाएगी। इसी वजह से वह अंडर 19 वर्ल्ड कप में नहीं खेल सकेंगे। समित हालांक इंडिया अंडर 19 टीम के लिए 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेंगे। इसका आयोजन 21, 23 और 26 सितंबर को होगा। यह सीरीज पुडुचेरी में खेली जाएगी। समित अभी महाराजा टी20 ट्रॉफी में खेल रहे हैं। इस टूर्नामेंट का आयोजन कर्नाटक में हो रहा है। समित अभी मैसूर वॉरियर्स की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने इसमें जमकर रन बनाये हैं। उनका स्ट्राइक रेट 114 का रहा है. हालांकि इस दौरान उन्हें गेंदबाजी का मौका नहीं मिला। समित मध्यम गति से तेज गेंदबाजी भी करते हैं। घरेलू चार दिवसीय कूच बिहार ट्रॉफी में समित ने कर्नाटक की ओर से खेलते हुए 8 मैचों में 362 रन बनाने के साथ साथ 16 विकेट लिए थे। समित अभी इंडिया अंडर 19 टीम के लिए 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेंगे। इसका आयोजन 21, 23 और 26 सितंबर को होगा।

भाग्यश्री एफ34 महिला गोला फेंक में पदक से चूकी

पेरिस । भारत की भाग्यश्री जाधव मंगलवार को यहां पैरालंपिक की महिला गोला फेंक (एफ34) स्पर्धा के फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं। पैरालंपिक में दूसरी बार हिस्सा ले रही भाग्यश्री ने गोले को 7.28 मीटर की दूरी तक फेंका लेकिन यह पोडियम पर जगह दिलाने के लिए नाकाफी था। चीन की लिजुआन झोउ ने 9.41 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि पोलैंड की लुसीना कोर्नोबीस ने 8.33 मीटर के प्रयास से रजत पदक अपने नाम किया। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले की रहने वाली 39 साल की भाग्यश्री 2006 में दुर्घटना के बाद अपने पैरों का इस्तेमाल नहीं कर पाई। इस घटना के बाद वह अवसाद में चली गईं थी और परिवार तथा मित्रों के उत्साहवर्धन के बाद पैरा खेलों से जुड़ी। एफ34 वर्ग के खिलाड़ियों को हाइपरटोनिया (कठोर मांसपेशियां), एटैक्सिया (खराब मांसपेशी नियंत्रण) और एथेटोसिस (अंगों या धड़ की धीमी गति) सहित समन्वय संबंधी कमियों से निपटना पड़ता है।

34 साल के हुए शमी को मिली प्रशंसकों और साथियों से बधाई

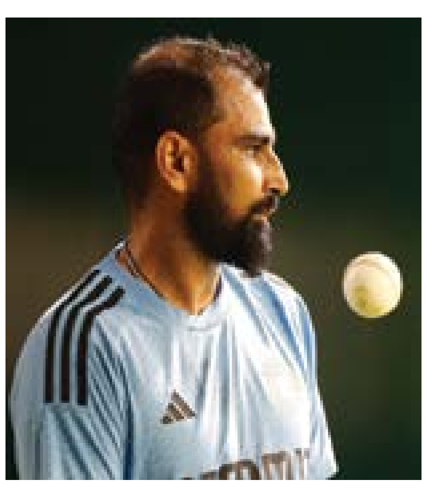

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आज 34 साल के हो गये। उन्हें इस अवसर पर प्रशंसकों और साथी खिलाड़ियों से बधाई मिली है। साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से शमी ने पिछले एक दशक में अपने प्रदर्शन से तीनो ही प्रारुपों में अपनी जगह बनायी है। शमी अपनी गति के साथ ही अपनी यार्कर के कारण भी प्रभावी रहे हैं। शमी ने एकदिवसीय विश्वकप में भी शानदार प्रदर्शन किया था। शमी के नाम टेस्ट में 229, एकदिवसीय में 195 और टी20 में 24 विकेट हैं। वह आज के दौर में सबसे सफल गेंदबाजों में से एक हैं। टेस्ट डेब्यू में ही शमी ने पांच विकेट लिए थे। गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्वकप में शमी ने भारत की ओर से सबसे अधिक विकेट लिए थे। वह चेतन शर्मा के बाद विश्व कप में हैट्रिक लेने वाले केवल दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं। उन्होंने 2019 विश्वकप में अफगानिस्तान के खिलाफ लगातार तीन विकेट लिए थे। शमी के नाम एकदिवसीय विश्वकप में 50 से अधिक विकेट हैं। उन्होंने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स की ओर से खेला है। इसमें 110 मैचों में उनके नाम 127 विकेट हैं। उनके नाम 2023 आईपीएल में सबसे अधिक विकेट के लिए पर्पल कैप भी है।

बांग्लादेश ने दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को हराया, सीरीज में 2-0 से दर्ज की ऐतिहासिक जीत

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 6 विकेट से जीत दर्ज करते हुए 2-0 से ऐतिहासिक सीरीज जीत अपने नाम की। इससे पहले बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट में हराकर पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार टेस्ट मैच जीता था।

पाकिस्तान ने 5वें दिन दो शुरुआती विकेट लेकर अच्छी शुरुआत की। हालांकि बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और मोमिनुल हक ने पाकिस्तान की जीत के दरवाजे बंद कर दिए और लंच तक मेहमान टीम को जीत के लिए सिर्फ 63 रन चाहिए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने दूसरे सत्र में दो विकेट चटकाए लेकिन मुशफिकुर रहीम और शाकिब अल हसन के आक्रामक शॉट की बदौलत ऐतिहासिक हार से बचने की उनकी संभावना

खत्म हो गई।

इससे पहले तेज गेंदबाज हसन महमूद और नाहिद राणा ने सोमवार को रावलपिंडी में बांग्लादेश को जीत दिलाने के लिए 9 विकेट लिए। हसन ने 5/43 का स्पैल फैंका जबकि राणा ने 44 रन देकर 4 विकेट अपने नाम करते हुए पाकिस्तान की दूसरी पारी को 172 पर रोक दिया। सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन और शादमान इस्लाम ने बिना किसी नुकसान के 42 रन बनाए, जिसमें जाकिर ने दो छक्के और दो चौके लगाए इससे पहले बारिश के बादल छा गए और खराब रोशनी के कारण चाय के ब्रेक के एक ओवर बाद खेल स्थगित कर दिया गया।

पहले टेस्ट में बांग्लादेश की जीत पाकिस्तान में लंबे समय तक क्रिकेट में उनकी पहली जीत थी। यह किसी भी टेस्ट मैच में उनकी पहली 10 विकेट की जीत भी थी। उन्होंने घर से बाहर केवल दो सीरीज़ जीती हैं - 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और 2021 में जिम्बाब्वे के खिलाफ और जीत हासिल करने के लिए मंगलवार को अंतिम दिन 143 रन की जरूरत थी।

पाकिस्तानी पहलवान पर प्रतिबंध, राष्ट्रमंडल खेलों का पदक छीना गया

कराची। पाकिस्तान के पहलवान अली असद पर शक्ति वर्धक दवाओं के सेवन के लिए चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है और राष्ट्रमंडल खेलों में जीता गया उनका कांस्य पदक छीन लिया गया है। पाकिस्तान कुश्ती महासंघ ने पुष्टि की कि अली असद पर न केवल चार साल के लिए प्रतिबंध लगाया गया है, बल्कि उनका कांस्य पदक भी छीन लिया गया है, जो उन्होंने 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में जीता था। महासंघ के एक अधिकारी ने कहा, ‘अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) की जांच से पता चला है कि उन्होंने इस प्रतियोगिता के दौरान शक्ति वर्धक दवाइयां ली थी।’ आईटीए की जांच के बाद इस सप्ताह असद पर चार साल का प्रतिबंध लगाने और राष्ट्रमंडल खेलों का उनका पदक छीनने का फैसला किया गया।

सीके नायडू ट्रॉफी में बदलावों से होगा लाभ : भरत अरूण

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय गेंदबाजी कोच भरत अरूण ने कहा है कि किसी भी बदलाव को आसानी से स्वीकार नहीं किया जाता है और उसके साथ ही कई चुनौतियां भी आती हैं। उन्होंने कहा कि कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी में टॉस हटाने का फैसला भी लाभप्रद हो सकता है। इसका कारण है कि घरेलू टीम जो विकेट तैयार करती है, वह सही होगा क्योंकि वे नहीं चाहेंगे कि विरोधी टीम को कोई लाभ मिले। इसलिए मुझे लगता है कि निष्पक्ष विकेट होंगे। नये नियम के तहत अब अब पहले बल्लेबाजी या गेंदबाजी का फैसला मेहमान टीम के हाथ में रहेगा।

अरुण ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसके लिए हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा। हमने पहले ऐसा नहीं किया है। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि यह बदलाव

कितना बेहतर रहता है। हर बदलाव अपनी चुनौतियों के साथ आता है। बदलाव के कुछ अच्छे जबकि कुछ नुकसानदेह पक्ष रहते हैं। हमें वास्तव में इंतजार करना होगा और देखना होगा कि यह कैसे सामने आता है।

अंडर-23 प्रतियोगिता की नई संशोधित अंक प्रणाली में पहली पारी में टीमों की बल्लेबाजी और गेंदबाजी के लिए अतिरिक्त अंक शामिल हैं। अरुण ने इसी को लेकर कहा, अंक प्रणाली में आए सभी बदलावों के साथ, वे यह देखने की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि वे इसे और अधिक प्रतिस्पर्धी कैसे बनाया जा कसता है। जिससे कि अधिक से अधिक परिणाम मिलें। यह खेल के लिए काफी अच्छा है। मुझे लगता है कि पहले कई टीमें ड्रॉ के लिए खेलती थीं या फिर एक तरफ से खेलकर नकारात्मक लाइन पर गेंदबाजी करती थीं। यह सब अब समाप्त होगा और सभी को सकारात्मक खेल खेलना होगा।

क्रिस्टियाना रोनाल्डो ने संन्यास लेने की अटकलों पर दिया बयान

लिस्बन । पुर्तगाल के फारवर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने निकट भविष्य में संन्यास लेने के संन्यास लेने की अटकलो को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह यूरोप कप के बाद हो रही अपनी आलोचनाओं को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने ऐसी अटकलो को भी खारिज किया जिनमें कहा गया है कि वह निकट भविष्य में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त करने पर विचार कर रहे हैं। रोनाल्डो ने कहा, ‘यह सब प्रेस से है। मेरे दिमाग में यह बात कभी नहीं आई कि मेरा पुर्तगाल की टीम के साथ समय समाप्त हो गया है।’ इसके ठीक विपरीत इसने मुझे ईमानदार बने रहने के लिए और भी अधिक प्रेरणा दी।’ उन्होंने कहा, ‘हमारी प्रेरणा राष्ट्रीय टीम में शामिल होकर नेशन लीग जीतने की है। हम इसे एक बार पहले ही जीत चुके हैं और हम ऐसा फिर करना चाहते हैं। मैं एक ही बात बार-बार कह सकता हूं, लेकिन मैं दीर्घकालिक नहीं सोचता, यह हमेशा अल्पकालिक होता है।’ पुर्तगाल गुरुवार को नेशंस लीग के अपने पहले मैच में क्रोएशिया की मेजबानी करेगा। रविवार को लीग ए ग्रुप वन में स्कॉटलैंड से मुकाबला होगा। मैनेजर रॉबटर मार्टिनेज ने दो मैचों के लिए रोनाल्डो को टीम में शामिल किया है।

मीठे से की तौबा, रातों को जगे भी, पैरा भालाफेंक सुमित ने सुनाई गोल्ड जीतने के पीछे की दास्तां

पेरिस (एजेंसी)। पिछले एक दशक से अधिक समय से पीठ की चोट से जूझ रहे भारत के पैरा भालाफेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल के पेरिस पैरालम्पिक स्वर्ण के पीछे बलिदानों की लंबी दास्तां है जिसमें मीठा खाना छोड़ना और कई रातें जागकर गुजारना शामिल है।

पैरालम्पिक से पहले तेजी से वजन बढ़ने के जोखिम के कारण सुमित को अपनी पसंदीदा मिठाइयों से परहेज करना पड़ा। इसके अलावा पिछले साल हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों में कमर में लगी चोट भी उन्हें परेशान कर रही थी। फिजियो की सलाह पर सुमित ने मिठाई खाना छोड़ दिया और कड़ी डाइटिंग पर थे। उन्होंने दो महीने में 12 किलो वजन कम किया। उनकी मेहनत यहां रंग लाई जब पैरालम्पिक खिताब बरकरार रखने वाले वह दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए। सुमित ने पैरिस पैरालम्पिक खेलों में 70.59 मीटर का नया रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने गोल्ड जीतने के बाद कहा, ‘मैने 10 से 12 किलो वजन कम किया। मेरे फिजियो विपिन भाई ने मुझसे कहा कि वजन से मेरी रीढ की हड्डी पर दबाव बन रहा है। इसलिए मैंने मीठा खाना बंद किया जो मुझे बहुत पसंद है। इसके अलावा सही खुराक लेने पर फोकस रखा।’ सुमित ने कहा, ‘मैं पूरी तरह से फिट नहीं था। मुझे अपने थ्रो से पहले पेनकिलर लेनी पड़ी। ट्रेनिंग के दौरान भी मैं सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं था। सबसे पहले मुझे कमर का इलाज कराना है। मैं सही तरह से आराम भी नहीं कर सका हूं। मैंने बहुत संभलकर खेला ताकि चोट बड़ी ना हो जाए।’

सुमित ने कहा, ‘मैने क्रॉसफिट वर्कआउट भी शुरू किया। कोच अरूण कुमार के साथ मुझे दो साल हो गए हैं। उन्हें पता है कि मुझे कब और क्या चाहिए। मैंने उन्हें रातों को जागकर रणनीति बनाते देखा है। मैं खुशकिस्मत हूं कि ऐसी टीम मेरे साथ है।’ सुमित ने कहा कि लोगों की अपेक्षाओं से उनकी रातों की नींद उड़ गई थी लेकिन अब वह राहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘पिछली तीन रातों से मैं सोया नहीं हूं। लोगों की अपेक्षाओं को देखकर मैं नर्वस था। तोक्यो पैरालम्पिक में मुझे कोई जानता नहीं था तो इतना दबाव नहीं था। मैं चैन से सो रहा था लेकिन यहां पिछले तीन चार दिन तनावपूर्ण थे।’

बटलर चोटिल हुए, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेलना संदिग्ध

लंदन । इंग्लैंड की एकदिवसीय और टी20 टीम के कप्तान जोस बटलर चोटिल हो गए हैं। इस चोट के कारण ही वह टी20 ब्लास्ट के मैचों से भी बाहर हो गये हैं। बटलर को पिंडली में चोट है। ऐसे में उनका अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलना संभव नहीं है। इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की शुरुआत 11 सितंबर से होगी। बटलर की चोट की स्थिति को देखते हुए उनका इस सीरीज में खेलना मुश्किल दिख रहा है हालांकि, टीम प्रबंधन अभी से इस बात को लेकर चिंतित नहीं है। उसे उम्मीद है कि कप्तान टी20 सीरीज और पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में खेलेंगे। इंग्लैंड की बदली हुई टीम रविवार को यूटिलिया बाउल में एकत्र होकर दो दिन के अभ्यास शिविर में हिस्सा लेगी। इस दौरान मेडिकल स्टाफ मौजूद रहेगा। तभी बटलर के खेलने की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

दमण-दीव सांसद उमेश पटेल को लंदन में आयोजित Indo European Business Forum में अतिथि के रुप में शामिल होने का मिला न्यौता

■ Indo European Business Forum में बतौर अतिथि शामिल होना प्रदेशवासियों के लिए गौरव और हर्ष की बात है : सांसद उमेश पटेल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, लंदन 03 सितंबर। दमण-दीव सांसद उमेश पटेल को लंदन में आयोजित Indo European Business Forum में अतिथि के रुप में शामिल होने का न्यौता मिला है। 11 से 14 सितंबर 2024 तक ब्रिटेन के लंदन शहर में आयोजित होने वाले Indo European Business Forum International Conclave on Good Governance विषय पर आयोजित होने जा रहा है। जिसमें दमण-दीव सांसद उमेश पटेल को भी अपने विचार प्रकट करने का अवसर दिया गया है। इस Indo European Business Forum में विश्वभर के लीडर, पॉलिसी मेकर एवं शिक्षाविद भाग लेंगे। कांन्क्लेव का मकसद विश्व में सभी सरकारे साथ मिलकर कार्य करे और जिससे कि ज्यादा से ज्यादा जनहित के कार्य किये जा सके। इस इंडो यूरोपियन बिजनेस फोरम का आमंत्रण मिलने पर दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने कहा कि यह हमारे सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरव और हर्ष की बात है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपने देश की बात रखने का सम्मान दमण-दीव प्रदेशवासियों के समर्थन एवं आशीर्वाद से ही संभव हुआ है। गौरतलब है कि दमण-दीव के इतिहास में पहली बार कोई सांसद ब्रिटेन के दौरे पर पहुंचा है। 1987 से 2024 तक ब्रिटेन पहुंचकर हजारों दमण-दीववासियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करने वाले उमेश पटेल पहले सांसद बन गए है।

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल के मार्गदर्शन में दादरा नगर हवेली जिले में आज भाजपा सदस्यता अभियान के तहत नागरिकों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 03 सितंबर। संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल के मार्गदर्शन में आज दादरा नगर हवेली जिले में भाजपा सदस्यता अभियान चलाया गया। नरोली मंडल में भाजपा महिला मोर्चा उपाध्यक्षा जुली सोलंकी के नेतृत्व में 115 महिलाओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सिलवासा शहर में मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष शांतू पूजारी ने व्यापारियों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इस अभियान में भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल, भाजपा अध्यक्ष दीपेश टंडेल सदस्यता अभियान के प्रदेश प्रभारी महेश आगरिया, महामंत्री जीतु माढा, धर्मेश सिंह चौहाण, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना पटेल, नरोली भाजपा मंडल प्रमुख योगेश सोलंकी, भाजपा नेता मनीष देसाई, सिलवासा म्युनिसिपल प्रेसिडेंट रजनी शेट्टी, काउंसिलर सुमन पटेल, सिलवासा शहर भाजपा अध्यक्ष अजय देसाई सहित बडी संख्या में व्यापारियों एवं महिलाओं की उपस्थिति रही।

दीव में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एनएसएस वालंटियर्स के मास्टर वालंटियर्स के लिए प्रशिक्षण सत्र का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 03 सितंबर। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को विभिन्न प्रकार के नशे से मुक्ति दिलाना और विभिन्न प्रकार के नशे के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है। साथ ही नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मानव शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को होने वाले नुकसान के बारे में भी जानकारी देना हैं। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत दीव जिला समाहर्ता और नशा मुक्त भारत अभियान की अध्यक्ष भानु प्रभा के निर्देशन और मार्गदर्शन में दीव जिला उप समाहर्ता शिवम मिश्रा की अध्यक्षता में जिला बाल संरक्षण इकाई दीव द्वारा उपरोक्त मंत्रालय का प्रतिनिधित्व करती वरिष्ठ राज्य समन्वयक एवं दीव कॉलेज के संयुक्त प्रयास से आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोघला के सभागार में एनएसएस वालंटियर्स के मास्टर वालंटियर्स के लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें उपरोक्त मंत्रालय का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ राज्य समन्वयक अभिनव घोलप एवं राज्य समन्वयक अन्वेशा तिवारी ने नशा मुक्त भारत अभियान के क्रियान्वयन के मुख्य उद्देश्य एवं विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थों एवं इससे होने वाले नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके अलावा उन्होंने मास्टर्स वालंटियर्स को नशा मुक्ति भारत अभियान के मोबाइल एप्लीकेशन के बारे में जानकारी दी। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के साथ सलाहकार अभिनव घोलप, अन्वेशा तिवारी, जिला बाल सुरक्षा अधिकारी मैत्री भट्ट, दीव कालेज के एनएसएस आफिसर कोकिला डाभी, डा. विरल पटेल सहित अधिकारियों एवं एनएसएस वालंटियर्स के मास्टर वालंटियर्स की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन निकेता वंश ने किया।

દેવલોક પામ્યા છે

સ્વ. દેવીલાબેન નગીનદાસ શાહ
જન્મ તા. ૨૧/૦૪/૧૯૪૦ સ્વ. તા. ૦૩/૦૯/૨૦૨૪
અત્યંત દિલગીરી સાથે જણાવવાનું કે અમારા માતૃશ્રી દેવીલાબેન નગીનદાસ શાહ તા. ૦૩/૦૯/૨૦૨૪ને મંગળવારના રોજ સ્વર્ગવાસ પામ્યા છે.
પ્રભુ એમના આત્માને શાંતિ અર્પે એજ પ્રાર્થના.
સદ્ગત ની અંતિમ યાત્રા તા. ૦૪/૦૯/૨૦૨૪ ને બુધવાર ના રોજ સવારે ૯:૩૦ કલાકે તેમના નિવાસસ્થાને થી નિકળશે.
લિ. શોકાતુર
પ્રશાંત એન. શાહ, બિપીન બી. શાહ, હિરેન સી. કાજ, સંદિપ સી. કાજ
સ્વીટી પી. શાહ, અરૂણા બી. શાહ, અંજના એચ. કાજ, તરૂણા એસ. કાજ
દક્ષેશ, કનહાય, ધંનજય, ગ્રીષ્મા, દર્ષિતા, દેવાંશ
નિવાસ સ્થાનઃ સુદર્શન, ગલી નંબર-૬, દિલીપ નગર સોસાયટી, તીન બત્તી, નાની દમણ. મો: 9825812222

શ્રદ્ધાંજલિ

સ્વ. દેવીલાબેન નગીનદાસ શાહ
જન્મ તા. ૨૧/૦૪/૧૯૪૦ સ્વ. તા. ૦૩/૦૯/૨૦૨૪
જીવન એવુ જીવી ગયા કે સૌ સદા આપને યાદ કર્યા કરે,
કર્મ સદા એવા કર્યા કે સૌના હૃદયમાં ગુંજ્યા કરે
જીવનમાં દુઃખથી કદી ડર્યા નહી, વ્યવહાર કદી ચુક્યા નહીં,
ધર્મ કદી ભૂલ્યા નહી, સુખ દુઃખમાં સદા હસતા રહ્યા
આપના દિવ્ય આત્માને પ્રભુ શાંતિ અર્પે એજ પ્રાર્થના.
લિ.
પ્રશાંત એન. શાહ, બિપીન બી. શાહ, હિરેન સી. કાજ, સંદિપ સી. કાજ
સ્વીટી પી. શાહ, અરૂણા બી. શાહ, અંજના એચ. કાજ, તરૂણા એસ. કાજ
દક્ષેશ, કનહાય, ધંનજય, ગ્રીષ્મા, દર્ષિતા, દેવાંશ
નિવાસ સ્થાનઃ સુદર્શન, ગલી નંબર-૬, દિલીપ નગર સોસાયટી, તીન બત્તી, નાની દમણ. મો: 9825812222

શ્રદ્ધાંજલિ

સમજવી કઠીન છે આ સંસારની માયા, અમર નથી રહેતી કોઈ જીવનની કાયા, રહે મૃત્યુબાદ સ્મરણોની છાંયા, લાગણીના હૃદય ભીના હેત તણાં ઓછાયા, કેમ કરીને જાય મનમાંથી સ્વજનની છાંયા.
પ્રભુ આપના દિવ્ય આત્માને પરમ શાંતિ અર્પે એજ પ્રાર્થના.
બેસણું: તા. ૦૪-૦૯-૨૦૨૪ના રોજ સાંજે ૪ કલાકે અમારા નિવાસ સ્થાને રાખેલ છે.
સ્વ. ભીખાભાઈ સીદીભાઈ બામણીયા
જન્મ તા. ૧૫/૦૫/૧૯૪૯
સ્વ. તા. ૦૨/૦૯/૨૦૨૪
(શ્રાવણ વદ અમાસ) સોમવાર
લિ.
સ્વ. પુજીબેન ભીખાભાઈ, ધનજીભાઈ ભીખાભાઈ, છગનભાઈ ભીખાભાઈ, રામજીભાઈ ભીખાભાઈ, સ્વ. સોમાભાઈ સીદી, કરશનભાઈ સીદી, ભગવાનભાઈ સીદી
રામાભાઈ સીદી, લખમભાઈ સીદી, રતનબેન મંડાણ, રજીબેન લખમભાઈ, વેલજીભાઈ પૂંજાભાઈ, અમૃતલાલભાઈ છગનભાઈ, જીવનભાઈ કરશનભાઈ
નિવાસ સ્થાનઃ મોટી ઢોલાવાડી સાઉદવાડી, SBI બેંકની બાજુમાં, દીવ

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)